अमृतकाल का संकल्प

भाषण एवं पारित प्रस्ताव

भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक
हैदराबाद, तेलंगाना
02-03 जुलाई, 2022

हैदराबाद, तेलंगाना में 02–03 जुलाई, 2022 को आयोजित 'राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक' के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री जी किशन रेड्डी।

हैदराबाद, तेलंगाना में 02–03 जुलाई, 2022 को आयोजित 'राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक' के उद्घाटन सत्र में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का स्वागत करते हुए तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बंडी संजय कुमार।

अमृतकाल का संकल्प

भाषण एवं पारित प्रस्ताव

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक

02-03 जुलाई, 2022, हैदराबाद, तेलंगाना

भारतीय जनता पार्टी
6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली - 110002

अनुक्रमणिका

1.	प्रकाशकीय	05
2.	हमें परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है और संगठन को मजबूत बनाना है / मा. राष्ट्रीय अध्यक्षजी का उद्बोधन	06
3.	भारत 'तुष्टीकरण' के कालखंड से आगे बढ़कर 'तृप्तीकरण' के मार्ग पर बढ़ रहा है / मा. प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन	20
4.	प्रस्ताव क्रमांक-1 / आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प	33
5.	राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक के कुछ चित्र	39
6.	राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की कुछ झलकियां	40
7.	प्रस्ताव क्रमांक-2 / राजनीतिक प्रस्ताव	49
8.	हम गरीबों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं / श्री राजनाथ सिंह	59
9.	भारत को हर क्षेत्र में विश्व में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जाना है / श्री अमित शाह	62
10.	देश ने बरसों बाद एक निर्णायक नेतृत्व देखा / श्री पीयूष गोयल	65
11.	सामाजिक सुरक्षा में अभूतपूर्व काम / श्री मनोहर लाल खट्टर	66
12.	थ्री-ई- एजुकेशन, एम्प्लायमेंट एंड एम्पावरमेंट से सशक्तीकरण / श्री बसवराज बोम्माई	67
13.	भाजपा सभी वर्गों की पार्टी / श्री हिमंता बिस्वा सरमा	68
14.	भाजपानीत सरकार में जन-आकांक्षा के अनुरूप कार्य हुआ / योगी आदित्यनाथ	69
15.	तेलंगाना राज्य के आर्थिक, सामाजिक और मानव विकास पर वक्तव्य	72
16.	भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी : एक संक्षिप्त विवरण	75

प्रकाशकीय

भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 2 एवं 3 जुलाई, 2022 को हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित हुई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का शुभारंभ किया। पूरे कार्यक्रम स्थल पर उत्साह का वातावरण था तथा इस बैठक में ऊर्जा से ओत-प्रोत भाजपा के पदाधिकारी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने सारगर्भित अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति खत्म हुई है और विकासवाद, राजनीति का केंद्र बिंदु बना है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी सफलता में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने संगठन को और मजबूत करने पर बल देते हुए कहा कि जिन-जिन राज्यों में हम अब तक सफल नहीं हो पाए, हमें वहां काम करना है और जनता का आशीर्वाद हासिल करना है। हर बूथ पर संगठन को मजबूत करना है।

इस बैठक में पहला प्रस्ताव 'आर्थिक एवं गरीब कल्याण संकल्प' को रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने प्रस्तुत किया, जिसका अनुमोदन केंद्रीय मंत्री एवं राज्य सभा में सदन के नेता श्री पीयूष गोयल एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने किया। दूसरा प्रस्ताव जो 'राजनीतिक प्रस्ताव' था, उसे केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने प्रस्तुत किया एवं इस प्रस्ताव का अनुमोदन कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई एवं असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया। इस बैठक में तेलंगाना पर एक वक्तव्य प्रस्तुत किया गया। बैठक का समापन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से हुआ। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से आजादी के अमृतकाल में देश को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस पुस्तिका में अपने सुधी पाठकों के लिए हम अध्यक्षीय उद्बोधन, माननीय प्रधानमंत्रीजी का मार्गदर्शन, दोनों प्रस्ताव, और उनके प्रस्तावकों एवं अनुमोदकों के भाषण प्रकाशित कर रहे हैं। साथ ही, भाजपा द्वारा तेलंगाना राज्य पर जारी वक्तव्य एवं इस कार्यकारिणी का वृत्त भी प्रकाशित कर रहे हैं।

प्रकाशक
भारतीय जनता पार्टी
जुलाई, 2022 6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली - 110002

अध्यक्षीय उद्बोधन

हमें परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है और संगठन को मजबूत बनाना है: श्री जगत प्रकाश नड्डा

हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 02 जुलाई, 2022 को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा दिए गए अध्यक्षीय उद्बोधन का संपादित पाठ—

सबसे पहले राष्ट्रीय कार्यसमिति की इस बैठक में मैं अपनी और तेलंगाना के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से आपका हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

हम सब लोग जानते हैं कि हम 'अमृत महोत्सव' मना रहे हैं और अभी अमृत महोत्सव के कार्यक्रम के बीच में हम सब लोग इस बैठक में शामिल हुए हैं। हम यह भी जानते हैं कि आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने 8 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पर एक बृहत् कार्यक्रम पार्टी ने लिया प्रधानमंत्रीजी ने प्रजातांत्रिक तरीके से प्रशासन के सर्वोच्च पद पर अपने जीवन के 20 साल पूरे किए हैं। यह अभी तक किसी के लिए संभव नहीं हुआ कि वह 20 साल तक प्रजातांत्रिक तरीके से संवैधानिक पद पर रहते हुए सरकार का नेतृत्व करता रहा हो। मैं आप सबकी ओर से और अपनी ओर से उनका हार्दिक अभिनंदन और स्वागत करता हूं।

अमृत महोत्सव के निमित्त कार्यक्रम

जब हम अमृत महोत्सव की बात करते हैं तो हम यह भी ध्यान में रखते हैं कि किस तरीके से 1947 से पहले आजादी के लिए हमारे योद्धाओं ने अपना जीवन बलिदान किया, सर्वस्व लुटाया, हमारे स्वतंत्रतासेनानियों ने और वीर सपूतों ने देश की रक्षा के लिए आंदोलन में अपने आपको आहुत कर दिया।

बहुत से ऐसे लोग थे जिनका नाम भी इतिहास के पन्नों पर दर्ज नहीं हो पाया, लेकिन उन्होंने भी देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व आहुत किया। ऐसे 'अनसंग-हीरोज' को याद करते हुए आज के दिन जब हम अमृत महोत्सव मना रहे हैं तब इस निमित्त विभिन्न कार्यक्रमों को हम लेनेवाले हैं। हम उन लोगों को नमन करते हैं जिन्होंने हमें आजादी दिलायी।

हम जब अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो भारतीय जनता पार्टी का भी जो इतिहास है, उसे भूल नहीं सकते। भारतीय जनता पार्टी इस बात से संतोष व्यक्त करती है कि जिस बात के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुकर्जी ने जनसंघ की स्थापना की, तथा कश्मीर पर 'एक देश में दो निशान, दो विधान, दो प्रधान— नहीं चलेंगे' का आह्वान किया था, मोदीजी की इच्छाशक्ति के कारण और अमितभाई की रणनीति के कारण आज 'एक देश में दो निशान, दो विधान, दो प्रधान' सदा-सदा के लिए खत्म हो गया है और धारा 370 धाराशायी हो गयी है।

अगर हम बात करें पंडित दीनदयाल उपाध्यायजी की, जिन्होंने 'एकात्म मानववाद' की रचना की और जिसको सम्मिलित करते हुए हमारे कार्यक्रम में 'अंत्योदय' को जोड़ा गया, उसी को सफल रूप में प्रदर्शित करते हुए एक कार्यरूप देने का कार्य हमारे प्रधानमंत्रीजी ने किया है वो है— 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'। इस माध्यम से सबको साथ लेकर, कोई समाज का अंतिम व्यक्ति छूट न जाये, समाज का अंतिम व्यक्ति अंतिम पायदान पर खड़ा रह न जाये, इस संकल्पना को पूरा किया है। इसको 'लैटर एंड स्पीरिट' में किया है।

आज हम संतोष व्यक्त करते हैं कि अभी राष्ट्रपति के होनेवाले चुनाव के लिए भी 75 साल बाद अगर आदिवासी की दृष्टि से किसी ने भी दृष्टिपात किया तो वो आदरणीय प्रधानमंत्री मोदीजी ने किया। आज श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को हमारे राष्ट्रपति की प्रत्याशी के रूप में घोषित कर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' मंत्र को सफलीभूत किया है। कल जेडीएस के देवगौड़ाजी ने समर्थन दिया, कल ही शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादलजी ने द्रौपदी मुर्मूजी को समर्थन दिया; मैं पार्टी की ओर से उनका धन्यवाद करता हूं और साथ ही साथ अन्य पार्टियों से भी अपील करता हूं कि पार्टी से ऊपर उठकर वे इस यात्रा में जुड़ें और द्रौपदी मुर्मूजी का साथ दें और

उनका सहयोग करें।

भाजपा की जबरदस्त जीत

जब हम दिल्ली में पिछली बार एकत्र आए थे उस वक्त हम विधानसभा की होनेवाले चुनावों की तैयारियां कर रहे थे। उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ आबादी वाले प्रदेश का चुनाव था। एक तरफ उत्तराखंड का चुनाव था, दूसरी तरफ पश्चिम में गोवा का चुनाव था, साथ ही पूर्वोत्तर में मणिपुर का चुनाव था। भारतीय जनता पार्टी ने पांच राज्यों के चुनावों में से चार में जबरदस्त जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद किसी पार्टी की सरकार दोबारा बनी है। समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी का अंतर 9 प्रतिशत का रहा है। उसी तरीके से हम देखें तो 23 जिलों में हमने एक तरीके से 'स्वीप' कर दिया है। 399 सीटों पर कांग्रेस लड़ी थी और उसमें से 387 सीटों पर उसकी जमानत जब्त हुई है। आम आदमी पार्टी ने 377 सीटें लड़ी थीं और 377 सीट पर उसने अपनी जमानत जब्त करायी।

उत्तराखण्ड में भारतीय जनता पार्टी ने 47 सीटें जीती हैं। वहां भी आम आदमी पार्टी 70 सीटों पर लड़ी थी और उसकी 68 सीटों पर जमानत जब्त हुई है। पहली बार मणिपुर में विशुद्ध भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है। गोवा में हम तीसरी बार लगातार आए हैं। यहां हमने हैट्रिक मनाया है। यहां 39 सीटों पर आम आदमी पार्टी लड़ी थी और 35 सीटों पर यहां भी उनकी जमानत जब्त हुई है। टीएमसी ने 26 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 21 सीटों पर उनकी जमानत जब्त हुई।

लद्दाख से लेकर कनार्टक तक, गोवा से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक हमने स्थानीय निकायों के चुनावों में जीत दर्ज की है। लद्दाख में हम लद्दाख हिल कॉउंसिल का चुनाव जीते। जम्मू-कश्मीर की पंचायत में पहली बार चुनाव हुआ और वहां भी भारतीय जनता पार्टी ने जीत दर्ज की। श्रीनगर में भी भारतीय जनता पार्टी का परचम लहराया। हिमाचल प्रदेश में हम चुनाव जीते हैं।

हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनावों को हमने जीता है। चंडीगढ़ म्युनिसिपल कॉरपोरेशन जीतकर आये हैं। हैदराबाद के म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में हमने जीत दर्ज करायी है। गोवा के स्थानीय निकायों के चुनाव में हमने जीत

दर्ज करायी है। हमने गुजरात के सभी के सभी चुनाव जीत लिए हैं। उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकायों में हमने चुनावों में अपनी जीत दर्ज करायी है। हमने राजस्थान में, जहां कांग्रेस का शासन है, वहां भी स्थानीय निकायों के चुनावों में अपनी जीत दर्ज करायी है। अरुणाचल प्रदेश में एकतरफा फैसला भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में आया है। असम में शत-प्रतिशत चुनाव हम जीत गये। अभी-अभी त्रिपुरा का उपचुनाव हुआ, 4 सीटों में से 3 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की है। मैं अपने माणिक शाहजी का अभिनंदन भी करता हूं जो मुख्यमंत्री बनकर आये हैं। वह खुद भी चुनाव जीते हैं और उनके साथ-साथ उनके साथी भी वहां चुनाव जीते हैं। अभी पांच-सात दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के उपचुनाव के परिणाम आये हैं। आजमगढ़ और रामपुर की सीट, जो दोनों समाजवादी पार्टी के पास थी, यह भी भारतीय जनता पार्टी ने हासिल की है। भारतीय जनता पार्टी एक के बाद एक जीत दर्ज करती आई है, चाहे वह स्थानीय निकाय का चुनाव हो या उपचुनाव हो। 2019 के बाद लगभग 135 सीटों पर उपचुनावों में एनडीए ने जीत हासिल की है और 100 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने उपचुनावों में जीत हासिल की है। वंशवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचारवाद, संप्रदायवाद, तुष्टीकरणवाद की राजनीति जो विपक्षी दलों के द्वारा चल रही थी, उसकी जगह पर आदरणीय प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में विकासवाद आगे आया है।

प्रो–एक्टिव एवं प्रो–रिस्पांसिबल गवर्नमेंट

आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में राजनीति की संस्कृति बदल गई है, अब सरकारें वे आएंगी जो 'परफॉर्म' करेंगी। सरकारें वे आएंगी जो 'रिफॉर्म' लाएंगी। सरकारें वे आएंगी जो 'ट्रांसफॉर्म' करेंगी। सरकारें वो रहेंगी जो 'प्रो-एक्टिव' रहेंगी। सरकारें वे रहेंगी जो 'प्रो-रिस्पांसिबल' होंगी। सरकारें वे होंगी जो 'रिस्पांसिबल गवर्नमेंट' के 'बिहेवियर' को लेकर चलेंगी और मुझे खुशी है यह बताते हुए कि आदरणीय प्रधानमंत्रीजी ने केन्द्र में और उनके नेतृत्व के माध्यम से प्रदेश सरकारों ने प्रो-एक्टिव और प्रो-रिस्पांसिबल गवर्मेंट का रोल अदा किया है और गरीबों के लिए काम करने का काम हमारी सरकारों ने किया है।

हम सब जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली में आमूलचूल परिवर्तन आया है। हमारी पार्टी जो लंबे समय से कह रही थी, जब उसको मौका

मिला तो आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, महिला, युवा, किसान, जो सबसे अंतिम पायदान पर खड़ा रहता था, जिसको कोई पूछता नहीं था, जिसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं जाता था, जिसको मुख्यधारा में लाने की कोशिश नहीं होती थी, उसको मुख्यधारा में लाने का काम भाजपा और एनडीए सरकार ने किया है। योजना गरीब को सुदृढ़ करने के लिए— महिलाओं को ताकत देने के लिए, युवाओं को ताकत देने के लिए, किसानों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए, उनके सशक्तीकरण की दृष्टि से चले हैं।

'जन-धन योजना' के अंतर्गत 'फाइनैंशिएल-इन्क्लुजन' जिस तरीके से हुआ है और जिस तरीके से गरीब के खाते में सरकार की सुविधा पहुंच रही है तो वह 45 करोड़ लोगों के जन-धन खाते से जुड़ने के कारण संभव हुआ है।

आज प्रधानमंत्री आवास योजना में 3 करोड़ 40 लाख से ज्यादा मकान पक्के मकान बने हैं।

'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के माध्यम से 80 करोड़ जनता को, दो साल से, जब से कोरोना आया था, तब से राशन पहुंचाया गया। 5 किलो गेहूं या 5 किलो चावल, 1 किलो दाल और प्रदेश सरकारों द्वारा इसमें कुछ और भी जोड़ा गया। आज कोई भी गरीब व्यक्ति भूखा न सोए, इस सपने को पूरा करने का काम किया है तो वह मोदीजी की सरकार ने पूरा किया और प्रदेश सरकारों ने उसे जमीन पर उतारा है।

'सौभाग्य योजना' के तहत 2 करोड़ 62 लाख लोगों को बिजली पहुंचाई गई। 75 साल हो गये थे देश को आजाद हुए और हमारे यहां 2 करोड़ 62 लाख घर बगैर बिजली के थे। उनको बिजली पहुंचाने का काम किया गया।

'अटल पेंशन योजना', 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना', 'प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा योजना'; ये तीनों मिलाकर लगभग 40 करोड़ लोगों को 'सोशल-सिक्योरिटी' दी गई है। भारत की 30 प्रतिशत आबादी 'सोशल-सिक्योरिटी' के अंतर्गत आ गई है। कनाडा, मैक्सिको और अमेरिका की जनसंख्या मिला लें, तो यह भारत की सोशल सिक्योरिटी प्राप्त लोगों की कुल जनसंख्या बनकर खड़ी हुई है।

आज 1 लाख 24 हजार करोड़ रुपये का किसान का बजट है। 'सॉयल हेल्थ कार्ड' 23 करोड़ लोगों को बांट दिया गया है। शत-प्रतिशत नीम-कोटेड यूरिया

मार्किट में है और लगभग 1000 मंडियां 'ई-नाम' की दृष्टि से काम कर रही हैं। किसान डिजिटल हो गया है। 22 मेगा फूड पार्क्स स्थापित कर दिये गये हैं और 119 नये 'कोल्ड-चेन' बनाये जा रहे हैं। इस पर काम चल रहा है। हमारे 167 किसान रेल रूट, 'पेरिशेबल-गुड्स' को यानी जो फल जल्दी खराब हो जाता हैं, उनको मार्केट तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। 'किसान उड़ान' के माध्यम से हमारे पेरिशेबल-गुड्स न केवल राष्ट्रीय मार्केट में पहुंचे, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में भी जा सके, इस सुविधा को भी देने का प्रयास हुआ है।

11 करोड़ बहनें ऐसी थीं जो अपने दैनिक नित्यकर्म के लिए बाहर खेतों में जाया करती थीं। और आज 11 करोड़ बहनों का सशक्तीकरण हुआ है। उनको 'इज्जतघर' दिया गया है। उनको इज्जत से जीने का अधिकार दिया गया है।

'उजाला योजना' में लगभग 37 करोड़ एलइडी बल्ब डिस्ट्रीब्यूट किये गये हैं। 'उज्ज्वला' में 10 करोड़ गैस के कनेक्शन दिये गये हैं। 10 करोड़ गैस कनेक्शन देने का मतलब है कि उनको जीवन में इज्जत के साथ एक गृहिणी के रूप में काम करने का अवसर दिया गया है।

'सही पोषण—देश रोशन' कार्यक्रम को शुरू किया गया। इसके साथ-साथ प्रधानमंत्री 'मातृत्व-वंदन' के माध्यम से लगभग 10 हजार करोड़ रुपये खर्च करके मैटरनिटी बैनिफिट्स महिलाओं को पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

जब माता गर्भवती होती है, उस समय से लेकर, गर्भाधान से लेकर और गर्भवती होने के पश्चात् प्रसूति तक उसके सारे टीके उसको लगते हैं। प्रसूति के बाद अगर कोई कांप्लिकेशन आ जाती है, तो उसकी चिंता भी करना, उसकी चिंता करने के बाद 'जच्चा-बच्चा' को घर तक पहुंचाना, ट्रांसपोर्ट की फैसिलिटी देना, अगर कोई कांप्लिकेशन आती है तो वापिस उसको मेडिकल-फैसिलिटी में लाकर उसका समाधान करना और फिर उसको घर पर पहुंचाना। उसके बाद अगले 3 साल तक बच्चों को 14 किस्म के टीके लगाकर जच्चा और बच्चा दोनों को सुरक्षित करना, भारत में प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को हम लोगों ने ऐसा स्वरूप दिया है।

हमारे आदिवासी भाई, हमारे दलित भाई, इनके लिए विशेष योजनाओं के तहत कार्यक्रम लागू किए गये। 'स्टैंडअप योजना', फिर इसके साथ-साथ किस तरह से उनके 'स्कॉलरशिप' की व्यवस्था करना; ये सारी चीजों को आगे बढ़ाने

का प्रयास हुआ है।

आज भारत डिजिटली भी बहुत आगे बढ़ चुका है। हमें खुशी होती है कि जो ग्लोबल ट्रांजेक्शन आज डिजिटल होता है उसमें भारत का हिस्सा 40 प्रतिशत है। वर्ष 2021-22 में लगभग 1 ट्रिलियन यूएस डॉलर का हमारे यहां डिजिटल ट्रांजेक्शन हुआ है। 231 प्रतिशत इंटरनेट के कनेक्शन में इजाफा हुआ है और 133 करोड़ आधार कार्ड जारी किए गये हैं। आज भारत किस तरीके से डिजिटल हो गया है, इसका तेलंगाना ने जीता-जागता प्रमाण दिया है। यहां 25 हजार बूथों में कार्यकर्ताओं ने 1000 रुपये डिजिटली जमा कराया है। इस तरीके से भारत 'डिजिटल इंडिया' के रूप में आगे बढ़ रहा है।

जब हम 'आत्मनिर्भर भारत' की बात करते हैं, तो हमें वैक्सीनेशन का कार्यक्रम देखना चाहिए। एक-एक वैक्सीन को भारत में पहुंचने में 20-20 साल लगता था। एक साल के अंदर वैक्सीन आदरणीय मोदीजी ने देश को दी है और आज देश में 197 करोड़ से ज्यादा डोज लग चुकी है। बहुत जल्द हम 200 करोड़ डोजेज पार करेंगे। इसके अलावा लगभग 100 देशों को 20 करोड़ वैक्सीन पहुंचाई गई है। इन्हें 1 करोड़ 48 लाख फ्री-वैक्सीन की खुराक पहुंचाई गई है। इस तरह हमने विकास की यात्रा को आगे बढ़ाया है। संक्रमण काल के बाद जहां दुनिया की जीडीपी ग्रोथ 6 प्रतिशत पर रुक गई है, वहां इंटरनेशनल एजेंसीज के अनुमानों में भारत 8 प्रतिशत से 8.7 प्रतिशत के ग्रोथ रेट पर खड़ा है। यह हमारे सुदृढ़ और 'आत्मनिर्भर भारत' की तस्वीर को बताता है।

अगर हम गरीबी-अतिगरीबी की बात करें तो संक्रमण काल के बाद भी अतिगरीबी को 1 प्रतिशत से नीचे 0.08 प्रतिशत कर लाया गया है। यह सब भारत कर पाया है, हमारा देश कर पाया है, हमारी सरकार कर पाई है, इस बात को भी याद रखना चाहिए। गरीबी रेखा जो 22 प्रतिशत थी, वो घटकर अब 12 प्रतिशत रह गई है। यानी 10 प्रतिशत उसमें भी कमी आई है।

अगर हम बात करें इलेक्ट्रिसीटी जनरेशन की तो हम लोगों ने टारगेट तय किया था कि 40 प्रतिशत इलेक्ट्रिसीटी का जनरेशन नॉन-फॉसिल फ्यूल के माध्यम से होगा। यह टारगेट 8 वर्ष बाद पूरा होना था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में 8 वर्ष पहले ही भारत ने अपना टारगेट पूरा कर लिया है। आज 40 प्रतिशत जनरेशन हो नॉन-फॉसिल फ्यूल के द्वारा हो रही है। पेट्रोल में 10 प्रतिशत

इथनॉल लगना है, हमने ये भी टारगेट 5 महीने पहले पूरा कर लिया। आज भारत एक्सपोर्ट का हब बन गया है। लगभग 400 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट 2021 में हुआ है।

'गतिशक्ति योजना' के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर में जो गति दी गई है वह भी हम सबको समझना चाहिए। इंफ्रास्टक्चर की दृष्टि से देखें तो जो हाइवे 2012-13 में लगभग 12 किलोमीटर प्रतिदिन के हिसाब से बनते थे, आज 37 किलोमीटर प्रतिदिन के हिसाब से बन रहे हैं। उसी तरीके से इस कार्य में जहां 57 हजार करोड़ रुपये खर्च होते थे, वहां आज 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। मेट्रो आज 27 शहरों में स्थापित हो रही है और प्रति साल 63 किलोमीटर की मेट्रो रेल बन रही है। विकास की दृष्टि से यह एक नया आयाम जोड़ने का प्रयास हुआ है।

दो नीतियों के बारे में मैं जरूर चर्चा करना चाहूंगा। बहुत-से लोगों को इसका ध्यान नहीं कि मोदीजी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में आमूलचूल परिर्वतन आया है। हमने 'क्रिएटिव' के साथ-साथ 'प्रीवेंटिव', 'प्रोमोटिव', 'प्रो-एक्टिव', 'रिहैबिलिटेटिव'; इन सभी आयामों की चिंता करने का काम किया है। इतना ही नहीं किया इसके साथ-साथ 'हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' पर भी जोर दिया ताकि कोई बीमार हो ही न! वह स्वस्थ रहे, इसकी चिंता हो। प्रोमोटिव हेल्थ हो, प्रीवेंटिव हेल्थ हो, ये तो किया ही किया, इसके साथ-साथ 15 ऑल इंडिया मेडिकल साइंसेज देकर दर्जनों हेल्थकेयर केंद्रों को भी बनाया। इसके साथ मेडिकल कॉलेज की भी श्रृंखला को बढ़ाया है। 'आयुष्मान भारत' ने गरीबों को स्वास्थ्य की सुविधा देने में एक बहुत बड़ा परिर्वतन लाया है।

हमें मालूम है कि हमारे बहुत से विरोधी हमेशा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को लेकर हमारा विरोध करते हैं, लेकिन इस शिक्षा नीति को सबने सराहा है राष्ट्रीय शिक्षा नीति आज 'एफोर्डेबल' के साथ-साथ 'ईक्वल-अपॉर्च्युनिटी', फ्लेक्सिबल शिक्षा नीति और सबसे बड़ी बात कि भारतीय भाषाओं में शिक्षा का आयोजन-प्रयोजन करने की नीति बनी है। अब हमारे बच्चे इंजीनियरिंग की पढ़ाई, मेडिकल की पढ़ाई अपनी मातृभाषा में कर सकेंगे। इसलिए गांव-गरीब का बच्चा भी अब चिकित्सक बन सकेगा। इसकी भी सुविधा ले सकेगा।

जिस तरीके से देश आगे बढ़ रहा है, जिस तरह से दुनिया में देश का स्थान बना है, फिर चाहे मैं डिफेंस की बात करूं, डिफेंस की कैपिबिलिटी की बात

करूं, बॉर्डर की सिक्योरिटी की बात करूं, हर क्षेत्र में हमारी अनेक उपलब्धियां हैं। अगर मैं इसके साथ-साथ 'बॉर्डर-रोड्स' की बात करूं, तब इसमें कोई शंका नहीं कि इस काम को लटकाया गया था। यूपीए की सरकार में एक डिफेंस मिनिस्टर का यहां तक कहना था कि अगर हम डिफेंस की रोड बनायेंगे तो चीन नाराज हो जायेगा। ऐसे समय में हम लोगों ने बॉर्डर-रोड्स को मजबूती प्रदान की एक समय हमारी छवि भ्रष्ट देश की थी, पिछलग्गू देश की थी, एक समय में दुनिया में हमें पीछे खड़े देश के रूप में लोग देखते थे। लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में दुनिया की नजरों में स्थापित हुआ है और यह हम नहीं कहते, दुनिया कह रही है।

अभी यूक्रेन से हमारे बच्चे आए, और तो और, अन्य देशों के बच्चे भी भारत का तिरंगा लेकर खड़े हो गए और उनको भी लाने की यदि व्यवस्था हुई तो वह भारत ने की है। 23 हजार से ज्यादा बच्चे 1 महीने के अंदर भारत पहुंचाए गये। आदरणीय प्रधानमंत्रीजी ने श्री पुतिन से भी बात की, श्री जेलेंस्की से भी बात की और लड़ाई को रोका, 'सेफ-पैसेज' दिया, हमारे लोग वापिस घर आये। मैं भारतीय जनता पार्टी को भी बधाई देना चाहता हूं कि हमारे कार्यकर्ताओं ने इन बच्चों के घर में एक बार जाकर नहीं, बल्कि तीन-तीन बार जाकर उनकी माताओं को ढांढस बंधाया और उनको बताया कि आपका बच्चा सेफ है। मोदी हैं तो मुमकिन है।

विपक्ष का काम— अटकाना, लटकाना, भटकाना

मुझे दुःख के साथ कहना पड़ता है कि विपक्ष गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार, किसी तर्क के बगैर, कर रहा है और दुनिया को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। हमको उसका पर्दाफाश करना है, जनता के सामने ले जाना है। आप याद कीजिए 'सर्जिकल स्ट्राइक' या 'एयर स्ट्राइक'। किसने आर्मी से सर्टिफिकेट मांगने की कोशिश की! किसने कहा कि इसका प्रमाण दो और किसने जनता को गुमराह करने का प्रयास किया! लंबे समय से आप हमारे डिफेंस की कैपिबिलिटी को बढ़ा नहीं रहे थे। राफेल की खरीदारी हुई, तो उसमें भी देश को गुमराह करने का प्रयास किया तो वो विपक्ष ने किया।

लद्दाख और डोकलाम पर भी किस तरह से गुमराह करने की कोशिश हुई, सीएए और एनआरसी पर गुमराह करने की कोशिश हुई, हमारे एग्रीकल्चर रिफॉर्म्स

पर भी गुमराह करने की कोशिश हुई, कोई भी रिफॉर्म्स आया उसको रोकना विपक्ष का काम हो गया है। अटकाना, लटकाना, भटकाना; यही उद्देश्य है। देश आगे न जाये और सबसे दुःख की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी का विरोध करते-करते, मोदीजी का विरोध करते-करते वो देश का विरोध करने लगे हैं।

परिवारवाद–भ्रष्टाचार से ग्रस्त विपक्ष

जहां एक ओर हमारे राज्य विकास कर रहे हैं वहीं, अगर कांग्रेसी राज्यों और विरोधी पक्ष के राज्यों की बात करें तो वह परिवारवाद से ग्रसित हैं। इन्स्टेबिलिटी है, अनरेस्ट है, करप्शन है, आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी सरकारें हैं।

हम 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' लेकर चल रहे हैं, तो वे 'तुष्टीकरण' की राजनीति लेकर चल रहे हैं। अभी भी तुष्टीकरण से वो बाहर नहीं जा रहे हैं। उनका सिर्फ यही उद्देश्य है कि 'वोट-बैंक' की राजनीति को आगे बढ़ाओ, जबकि हम गरीबों के हित में काम कर रहे हैं। भाजपा के राज्य आपस में स्पर्धा कर रहे हैं कि कौन रूरल डेवलपमेंट में अच्छा काम करेगा! कौन गरीबों के लिए अच्छा काम करेगा! कौन ज्यादा-से-ज्यादा मेडिकल कॉलेज खोलेगा! कौन ज्यादा-से-ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज खोलेगा! कौन लोगों को ज्यादा-से-ज्यादा सुविधाएं पहुंचाएगा! वहीं हमारे विपक्ष के लोगों की स्पर्धा इस बात की है कि कौन तुष्टीकरण सबसे ज्यादा करेगा! कौन भ्रष्टाचार सबसे ज्यादा करेगा! कौन परिवारवाद के साथ संलिप्त होकर 'मैं और मेरा परिवार', इसी को बढ़ाने में लगे हुए हैं। इसलिए हम ये कह सकते हैं कि जहां तक भारतीय जनता पार्टी का सवाल है, हमारी नियत और नीति स्पष्ट है। हम गरीब को मजबूती प्रदान करने के लिए, उनका सशक्तीकरण करने के लिये, उनको ताकत देने के लिये, और उनके माध्यम से देश आगे बढ़े, इस बात को लेकर, इस मंत्र को आगे लेकर चले हैं। वहीं, विपक्ष अपने परिवार को आगे बढ़ाना, भ्रष्टाचार, अनाचार, तुष्टीकरण की राजनीति; इन बातों को बढ़ाने में लगी हुई है।

भाजपा का सामाजिक पक्ष

मुझे खुशी है कि पार्टी ने सिर्फ राजनीति का ही काम नहीं किया, राजनीतिक दृष्टि के साथ-साथ पार्टी ने सामाजिक कामों पर भी जोर दिया है। मैं बड़े गौरव

के साथ कह सकता हूं कि भारतीय जनता पार्टी के लाखों कार्यकर्ताओं ने संक्रमण काल में प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन में 'सेवा ही संगठन' का काम किया। करोड़ों लोगों की कोरोना में 'सेवा ही संगठन' के माध्यम से सेवा की है। इसलिए हमारा सिर्फ राजनीतिक पक्ष ही नहीं है, हमारा सामाजिक पक्ष भी है। हमारे लोग अब आंगनबाड़ी केन्द्रों में जा रहे हैं। स्कूल को विजिट कर रहे हैं। पोषण के कार्यक्रमों से अपने आपको जोड़ रहे हैं। हेल्थ कैम्प के साथ अपने आपको जोड़ रहे हैं। संगठनात्मक कार्यक्रमों के साथ-साथ सेवा कार्यक्रमों को भी हम कैसे आगे बढ़ाएंगे, इस पर भी हम लोगों ने चर्चा की है और उसको भी आगे बढ़ाया है।

प्रशिक्षण कार्य

हमारे कार्यक्रम में प्रशिक्षण का बहुत बड़ा महत्व है। इसलिये प्रशिक्षण की दृष्टि से हम भारतीय जनता पार्टी में हर तीन साल में एक बार नीचे से लेकर ऊपर तक इस कार्यक्रम को लेते हैं। हमारी मंडल स्तर की ट्रेनिंग सारे देश में पूरी हो चुकी है। हमारी जिला की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है और अब प्रदेश स्तर पर ट्रेनिंग चल रही है। कई प्रदेशों में इसके कार्यक्रम चल रहे हैं। कई प्रदेशों में इसी जुलाई महीने में ट्रेनिंग पूरी होगी और अगस्त महीने तक हम सारी की सारी ट्रेनिंग पूरी कर लेंगे।

जहां तक 'गुड-गवर्नेंस' का सवाल है, तो इस दृष्टि से हमारी जो रिसर्च-टीम है, उसका हम मजबूतीकरण कर रहे हैं और में मुख्यमंत्रियों के साथ मिलकर हम कार्यक्रम कर रहे हैं। मंत्रियों के साथ भी मिलकर कार्यक्रम कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि पारदर्शिता के साथ गुड-गवर्नेंस के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाये और पार्टी का रिसर्च विंग उसको मजबूती प्रदान करे, इस काम में भी हम जुटे हैं।

बूथ सशक्तीकरण

प्रधानमंत्रीजी ने हम लोगों को दिशानिर्देश दिया था कि जहां बूथ हमारा कमजोर है, वहां बूथ का सशक्तीकरण करना है। भारतीय जनता पार्टी ने एक बहुत ही महत्वाकांक्षी कार्यक्रम लिया है और 50 हजार बूथ हम चिह्नित कर रहे हैं। कुछ कर चुके हैं और कुछ करना बाकी है। पचास हजार बूथ को चिह्नित करके उनको मजबूती प्रदान करने के लिये 'बूथ सशक्तीकरण कार्यक्रम' में हम उसको पूरा कर

रहे हैं। इसके साथ-साथ लोकसभा प्रवास के कार्यक्रम को भी हम लोगों ने आगे लिया है। लोकसभा प्रवास कार्यक्रम में हमारी कोशिश है कि हमारे एमएलए और एमपी इससे जुड़ें। ऐसे हमने लगभग 144 लोकसभा क्षेत्र को चिह्नित करके उसको भी कैसे मजबूती प्रदान की जा सकती है, उसका भी योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रम शुरू किया है। भारत सरकार के लगभग तीस मंत्रियों ने अपना कार्यक्रम घोषित किया है। वे वहां जा रहे हैं, 2-2, 3-3 दिन लगायेंगे। बाद में हम लोगों ने 'क्लस्टर्स' के रूप में इन लोकसभाओं में इन्हें लगाया है। आनेवाले अगले दो साल में क्लस्टर्स के रूप में एक नहीं अनेक प्रवास होंगे और उन प्रवासों के माध्यम से हम इस कार्य को पूरा करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ लगा है और अपने-अपने स्थानों पर बूथ का सशक्तीकरण कर रहा है। मैं आप सबको बहुत साधुवाद भी देता हूं, बधाई भी देता हूं और प्रोत्साहित भी करता हूं।

विपरीत परिस्थितियों में संगठन कार्य

अपने जम्मू-कश्मीर के, पश्चिम बंगाल के और केरल के कार्यकर्ताओं को, मैं नमन भी करता हूं और उनको सलाम भी करता हूं और साधुवाद भी देता हूं। जिन परिस्थितियों में वे काम कर रहे हैं, ये छोटी बात नहीं है। आज पश्चिम बंगाल में हमारे कार्यकर्ता दृढ़ संकल्प के साथ कार्य कर रहे हैं। सरकार सारे नियम-कायदे-कानूनों को ताक पर रखकर उनको प्रताड़ित कर रही हैं और प्रजातांत्रिक मूल्यों का वहां सफाया हो रहा है, उसके बावजूद भी वे काम कर रहे हैं।

केरल में हम लंबे समय से लड़ रहे हैं। केरल के अंदर हमारे सैकड़ों कार्यकर्ता जख्मी भी हुए हैं और जानें भी गईं हैं। लेकिन उसके बावजूद भी हमारा साधारण कार्यकर्ता कमल के झंडे को लेकर काम में जुटा है। मैं उनको सलाम करता हूं। जम्मू-कश्मीर में भी जिस तरीके से हम लोग काम कर रहे हैं, उसके लिए निश्चित रूप से पूरा देश उनको सलाम करता है। मुझे खुशी इस बात की है कि इन सभी विपरीत परिस्थितियों में भी भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ रही है।

प्राकृतिक आपदा में राहत कार्य

आज जब हम यहां पर एकत्र हुए हैं तो हमारी चिंता पूर्वोत्तर राज्य में जो बाढ़ आई है उसको लेकर है। बाढ़ के बीच में हमारी सरकारें अच्छा काम कर रही

हैं, पार्टी उनके साथ लगी है। इस पर जहां हम अपनी चिंता व्यक्त करते हैं, वहीं हम पार्टी को बचाव कार्य के लिए निर्देशित करते हैं। मणिपुर में जिस तरीके से लैंडस्लाइड आया है और वहां जानें हताहत हुई हैं, उन सबके साथ हमारी संवेदनाएं हैं। उन सबकी आत्मा को शांति मिले और इस घटना से उनके परिवार जल्द-से-जल्द उबरें। वहां की सरकार के साथ पार्टी पूरी ताकत के साथ खड़ी हो। यहां से जाने के बाद हमारे पूर्वोत्तर राज्य के सभी कार्यकर्ता इस काम में लगेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। हमारे मणिपुर के मुख्यमंत्री नहीं आ पाये, क्योंकि उनको वहां पर इस लैंडस्लाइड के कारण रुकना पड़ा है। पूरी सरकार वहां लगी हुई है। अभी असम में भी बाढ़ आई थी। हमारे सभी मुख्यमंत्री लगे रहे हैं, तो हम सब लोग चिंता भी व्यक्त करते हैं और स्वयं को उसके साथ जोड़ते भी हैं।

ग्लोबल दृष्टि से कार्य

भारतीय जनता पार्टी ने एक नया आयाम अपने साथ जोड़ा है। हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हो गये हैं। आज जब हमारी 170 मिलियन मेंबरशिप हैं और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 90 मिलियन है, तो दुनिया के सामने इसको बताने की आवश्यकता है। इसीलिए प्रधानमंत्रीजी ने हम लोगों को प्रेरणा दी थी कि हमको अब ग्लोबल दृष्टि से काम करना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी का फुल फ्लेज्ड एक्सटर्नल अफेयर्स के साथ-साथ पार्टी का रिश्ता दुनिया के अन्य पार्टियों के साथ बने, इस काम को आगे बढ़ाना चाहिए। इस काम को हम लोगों ने बढ़ाने का काम किया है।

पिछली चार बैठकों में 'भाजपा को जानें (Know BJP)' के माध्यम से चार ग्रुप्स में बांटकर 47 राजनयिकों (हेड ऑफ मिशन) के साथ भारतीय जनता पार्टी का संवाद हुआ है।

भारतीय जनता पार्टी ने इन्हें एक बहुत अच्छी लघु फिल्म के माध्यम से भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी के इतिहास-विकास को बताने का प्रयास किया है। इस फिल्म को दिखाने के बाद भारतीय जनता पार्टी की वर्तमान योजनाओं के बारे में चर्चा होती है। उसके बाद फिर एक घंटे का सेशन होता है, जिसमें वह प्रश्न करते हैं और हम लोग जवाब देते हैं।

सभी राजदूतों ने बहुत ही संतोष व्यक्त किया और इस कार्यक्रम की सराहना

की है और कहा कि हम लोग भारतीय जनता पार्टी के बारे बहुत कम जानते थे, आपने हमको बताया इसके लिए उन्होंने हमें साधुवाद भी दिया है। वे ज्यादा से ज्यादा 'पार्टी-टू-पार्टी कांटेक्ट' जोड़ने का प्रयास भी कर रहे हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री देउबाजी पार्टी कार्यालय में आकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते मुझसे मिले। सिंगापुर के विदेशमंत्री जब भारत आये, मिस्टर बालकृष्ण, वो भी भारतीय जनता पार्टी के हैडक्वार्टर से होकर गए। वियतनाम के उनकी पार्टी में तीसरे नंबर पर स्थान रखनेवाले मिस्टर नैन भी आये, उन्होंने भी भारतीय जनता पार्टी को समझने का प्रयास किया। ये सब जो भी लोग आये, इन सबने डेढ़-डेढ़, दो-दो घंटे लगाकर भारतीय जनता पार्टी को जानने का प्रयास किया। यानी दुनिया में भी उत्सुकता है, वह भी जानना चाहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी किस तरीके से काम कर रही है।

राजदूतों में भी इस बात की चर्चा है कि जो छूट गये हैं, उन्हें कब बुलाया जाएगा। यह एक नया आयाम भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा है, जिसको हम आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा का विस्तार

हम जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी हर दिन—हर पल पार्टी और विचारधारा को आगे बढ़ाने के कार्य में लगी है। इसमें लाखों-करोड़ों कार्यकर्ता लगे हुए हैं। हम निश्चित रूप से एक बात का विश्वास प्रधानमंत्रीजी को दिलाना चाहते हैं और साथ ही आप सब लोगों को इस बात का विश्वास दिलाते हैं कि भारतीय जनता पार्टी आपके माध्यम से आगे बढ़ेगी। जहां-जहां हम कम रह गये हैं, कुछ प्रदेश हैं जहां हमको काम को आगे बढ़ाना है, तेलंगाना उन्हीं में से एक राज्य है। आन्ध्र प्रदेश भी उन्हीं में से एक राज्य है। तमिलनाडु में हमको बढ़ना है। केरल में हमको बढ़ना है। ओडिशा में हमको बढ़ना है और इसके साथ-साथ जहां हम सरकार में हैं, वहां भी कुछ इलाके हैं, जहां हम कमजोर हैं, वहां भी हमें बढ़ना है। ऐसे ही हमारे कुछ विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र हैं, जहां 'कमल' को पहुंचाना जरूरी है। हम सब मिलकर इस काम को आगे बढ़ायेंगे। ■

❑❑❑

प्रधानमंत्रीजी का उद्बोधन

भारत 'तुष्टीकरण' के कालखंड से आगे बढ़कर 'तृप्तीकरण' के मार्ग पर बढ़ रहा है: श्री नरेन्द्र मोदी

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 3 जुलाई, 2022 को हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन-सत्र में दिए गए उद्बोधन का संपादित पाठ—

मैं सबसे पहले तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को आप सबकी तरफ से बहुत-बहुत अभिनंदन करता हूं। करीब-करीब दो दशक के बाद यहां पर कार्यसमिति का अवसर आया है। कोरोना काल के बाद एक प्रकार से इतनी उमंग और उत्साह से इतनी बड़ी तादाद में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति वाले समारोह का जिस प्रकार से अध्यक्षजी ने नेतृत्व किया, संगठन के सभी पदाधिकारियों ने जिसकी रचना की, उसके कारण भाजपा कार्यकारिणी की यह बैठक हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हो रही है।

यह बैठक एक ऐसे समय में हो रही है, जब देश अपनी आजादी का 'अमृत महोत्सव' मना रहा है। देश इस 'अमृतकाल' में अपने लिए नए संकल्प ले रहा है। जैसा मैंने पहले कहा था देश जब आजादी की शताब्दी मनाएगा, देश कहां हो, हमारे सामान्य नागरिकों का जीवन कहां हो, विश्व में हमारा स्थान क्या हो, विश्व में हमारी भूमिका क्या हो, इतने बड़े सपनों को लेकर, उन सपनों को संकल्प में परिवर्तित करने के लिए एक-एक कार्यकर्ता को सज्ज करते हुए परिश्रम की पराकाष्ठा करके सिद्धि को प्राप्त करने का भाग्यनगर—हैदराबाद की इस धरती से आज हम प्रण लेकर निकल रहे हैं। एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा के लिए भी ये बहुत महत्वपूर्ण है कि अगले 25 वर्षों के लिए भाजपा का भी और जिस भूमिका से हमें राष्ट्र की सेवा करने का अवसर मिला हो, चाहे प्रतिपक्ष में हों, चाहे शासन व्यवस्था में हों, चाहे ग्रामीण स्तर पर काम करते हों, जिले स्तर पर काम

करते हों, राज्य स्तर पर काम करते हों या अखिल भारतीय स्तर पर करते हों, हमें अपनी भूमिका का निर्वाह करते हुए आनेवाले 25 साल के रोडमैप के साथ स्वयं को, संगठन को और शासकीय व्यवस्थाओं को आवश्यक नीतियों के अनुसार साहसपूर्ण निर्णयों के साथ आगे बढ़ने के लिए सज्ज करना है। यह मंथन किसी एक कार्यसमिति का विषय नहीं है, ये मंथन हर स्तर पर अविरत चलते रहना चाहिए। मुझे खुशी है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। परंपरागत रूप से जिन लोगों को हम सुनते हैं, इसके अलावा अनेक साथियों ने भी अपने विचार यहां रखे हैं। हर विचार राजनीति को एक नई दृष्टि देनेवाला, विचारों को धार देनेवाला, इन्फॉरमेंशन की दृष्टि से, सब ओर आत्मविश्वास जगानेवाला रहा है। भविष्य की रूपरेखा तैयार करने के लिए ये सारे विचार हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं और इसलिए मैं नड्डाजी और उनकी पूरी टीम का हृदय से अभिनंदन करता हूं और आग्रह करता हूं कि आप सब भी उनका अभिनंदन करें।

इस कार्यक्रम के लिए हैदराबाद को चुना जाना, भाग्यनगर को चुना जाना; ये अपने आप में बहुत विशेष है। सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसी हैदराबाद की धरती पर हमें एक भारत दिया। आज हम उसी हैदराबाद से 'एक भारत' को 'श्रेष्ठ भारत' बनाने का संकल्प लेकर जा रहे हैं। ये हम सभी का सौभाग्य है कि ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कालखंड में देशवासी हम पर लगातार नई-नई जिम्मेदारियां देते जा रहे हैं। जो भरोसा हम पर रखा उस भरोसे पर हम खरे उतरे। इसलिए अपनी अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं जिम्मेवारियां भी बढ़ी हैं। हमें अभी और अधिक कार्य करना है, अविरत करना है।

कार्यकर्ता: संगठन की शक्ति

पूरब से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक, समाज के हर वर्ग में भाजपा को लोगों का आशीर्वाद मिल रहा है। लोगों का भरपूर प्यार मिल रहा है। जब तेलंगाना में हमारे कार्यकर्ता, कार्यसमिति के सदस्य विधानसभा क्षेत्रों से होकर आए हैं और उनकी बातों से जो सुनने को मिलता है, उससे लगता है कि अगर सच्ची निष्ठा से और नेक इरादे से, पवित्र मन से काम करते हैं, तो आखिरी मन तक पहुंचे बिना रहता नहीं है। कोई माध्यम की जरूरत पड़ती नहीं है। कानों-कान बात पहुंच जाती है। तेलंगाना के दूर-सुदूर गांवों से आप जो संदेश लाए हैं वो इस बात का सबूत

बनकर कहते हैं कि लोगों के दिलों में क्या भाव पड़े हैं और जब लोगों का इतना प्यार हो, इतना भाव हो, तब हमें अपने को खपाने का आनंद कुछ और होता है। हमें खुद को खपाना है, चौबीसों घंटे मेहनत करके देशवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। हमें यह हमेशा याद रखना है कि हमारी पहचान हमारा 'कैडर' है, हमारे कर्मठ, हमारे निष्ठावान कार्यकर्ता हैं। वही हमारे संगठन की शक्ति हैं। जिस संगठन के माध्यम से हम नीतियों को गढ़ते हैं, निर्णय करते हैं और राष्ट्र की आशा-आकांक्षाओं को परिपूर्ण करते हुए एक परिवर्तन का नाद लेकर चल पड़े हैं।

अलग-अलग भाषाएं बोलनेवाले, अलग-अलग वेषभूषावाले, अलग-अलग रहन-सहनवाले कार्यकर्ताओं की शक्ति से भाजपा अपना विस्तार कर रही है। ये विविधता एक प्रकार से भारतीय जनता पार्टी का संगठन अपने आप में मनोभाव से, संस्कार से, संकल्प से एक भारत की अनुभूति करता है, विशाल भारत की अनुभूति करता है। अंदर भारत माता को समाहित करके इस मां भारती के लिए जीवन न्योछावर करने के लिए प्रयास करता रहता है।

मां भारती की सेवा का संकल्प

भारतीय जनता पार्टी और इसकी विशेषता देखिए— कई राज्य ऐसे हैं जहां दशकों तक सत्ता के दरवाजे खटखटाने का भी हमें सौभाग्य नहीं मिला है। दूर-दूर तक सत्ता देखने का अवसर नहीं मिला है। लेकिन आज भी हमारे कैडर, हमारे कार्यकर्ता न रुके हैं, न थके हैं और जुल्म के बाद भी न झुके हैं। आज भी मातृभमि की सेवा के संकल्प को लेकर जी-जान से लगे हुए हैं। पश्चिम बंगाल में हमारे कार्यकर्ता पर क्या जुर्म नहीं हुआ है? तेलंगाना में क्या हो रहा है? केरल में क्या हो रहा है? असहिष्णुता की राजनीति चरम पर है। लेकिन सारे संकटों को पार करते हुए एकमात्र मां भारती की सेवा का संकल्प लेकर हजारों-हजारों कार्यकर्ता पीढ़ी-दर-पीढ़ी विचार को लेकर, विचार की धार और तेज करते हुए अपने देश के लिए अडिग नेतृत्व दे रहे हैं। हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, जिनको सत्ता के गलियारे में जाने का मौका मिला है, मान-सम्मान सब प्राप्त हुआ है, हम हर पल कितनी भी ऊंचाई पर क्यों न पहुंचे, भूतकाल की तरफ जाने की फुर्सत हो, या न हो, वर्तमान में भी अगर केरल की धरती पर, बंगाल की धरती पर, तेलंगाना की धरती पर— जिन क्षेत्रों में हमारा

स्थान नहीं, ऐसे कई क्षेत्र हैं, वहां जो आज भी अकेला झंडा लेकर चल रहा है, वो हमारी प्रेरणा है। उसी से हम प्रेरणा ले सकते हैं। मैं आज भाजपा कार्यकारिणी के माध्यम से देश के कोटि-कोटि कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं।

2014 के पहले की स्थिति का वर्णन हम सुन रहे हैं, हम उन दागों से बचे हुए हैं। उन बर्बादियों से बचे हुए हैं। इसमें जो सत्ता पर हैं उनका ही रोल है, ऐसा नहीं है, हमारे कार्यकर्ताओं ने भी संयम और मर्यादाओं का पालन किया है। उसके कारण आज हमारी इज्जत बची हुई है। इसलिए कार्यकर्ताओं के प्रति हमें गर्व होता है। इसलिए कार्यकर्ताओं के प्रति अभिमान होता है कि हम कितने भाग्यवान हैं कि हमारे पास ऐसे कार्यकर्ताओं की टोली है, जिनको सत्ता का जो गुरूर होता है, सत्ता का जो नशा होता है, जो सत्ता का तामझाम होता है, वह हमारे कार्यकर्ता को छू नहीं पा रहा है। वो जल में 'कमलवत' मातृभूमि की सेवा के संकल्प को लेकर बैठा हुआ है, आवश्यकता के अनुसार चल रहा है। इससे बड़ा गर्व क्या हो सकता है? इससे बड़ा जीवन का अभिमान क्या हो सकता है?

भारत में राजनीतिक दलों की कमी नहीं है और कई पार्टियां ऐसी हैं जिनको जनता ने सत्ता में बैठने का अवसर भी दिया है। सेवा करने का मौका भी दिया है। आशा और अपेक्षाओं के साथ दिया है। बार-बार दिया है, लेकिन आज ऐसे लोगों का और सत्ता में रहे हुए लोगों का हाल क्या है? आज वो अपना अस्तित्व बचाने के लिए किस-किस प्रकार की प्रवृत्ति करने पर तुले हुए हैं? देश के सर्वोच्च शिखरों पर विराजमान लोगों की दुर्दशा हमारे लिए उनका उपहास का विषय नहीं है। उनका यह पतन हमारे लिए खुशी का विषय नहीं है। हमें सीखना है कि वो कौन सी कमियां थीं, वो कौन सी बुराइयां थीं, वो कौन सी चीजों ने अधोपतन किया कि वो उस स्थान से आकर नीचे गिर गए। और वहां भी फिसलते ही चले जा रहे हैं। हमें अपने आपको उन चीजों से बचाकर आगे बढ़ना है, क्योंकि हम अपने लिए नहीं, अपनों के लिए नहीं, हम सिर्फ और सिर्फ मातृभूमि के लिए, इस देश के कोटि-कोटि जनों के लिए चल पड़े हैं।

भाजपा पर देश का भरोसा

आठ साल पहले देश ने भारतीय जनता पार्टी पर अपना विश्वास प्रकट किया। देश ने भरोसा दिखाया। तब देश में क्या हालत थे, इसका काफी वर्णन हुआ है,

लेकिन हमें उसे भूलना नहीं है। हमें उस समय को बार-बार याद करना है। हम ये न सोचें वरना वे तो उन चीजों को भुलाने में लगे हैं, अपने पापों को भुलाने में लगे हैं। इसलिए मनगढ़ंत कथाओं का उन्हें आश्रय लेना पड़ रहा है। 2004 से 2014 तक और उससे पहले का भी कालखंड देश जहां पहुंचना चाहिए था, वहां नहीं पहुंचा। उसके लिए जो जिम्मेवार थे, जो घटनाएं थीं, किस तरह लूट मची हुई थी? कितना भ्रष्टाचार था? कैसा 'पॉलिसी-पैरालिसिस' था? दुनिया में भारत की छवि एक नकारात्मकता की छवि बन चुकी थी। भारत को कोई गिनती में नहीं लेता था। लोगों ने भारत पर भरोसा छोड़ दिया था। उम्मीद छोड़ दी थी। चारों तरफ निराशा का माहौल था। लोगों को लगता था पता नहीं क्या होगा। यहां तक कि लोकतांत्रिक सरकार की क्षमता पर भी भरोसा उठने लगा था।

लेकिन 2014 में देश में जो बदलाव आया, देश की जनता ने जो रास्ता चुना, आप कल्पना कर सकते हैं। 2019 में तो उन्होंने हमें परखा था, देखा था, लेकिन 2014 में तो हम नए थे। उन लोगों से वे कितने तंग आ गए होंगे? उन्होंने सोचा होगा एक बार इनको दे देखते हैं, क्या होगा? लेकिन हमने जनता के भरोसे को तोड़ा नहीं और आज 'पॉलिसी-पैरालिसिस' की बात छोड़ दें, अब तो हमारी सरकार की पहचान है पी-2, जी-2। यहां जितने भी प्रस्ताव आए हैं उनमें एक बात उभरकर आई है हमारी पहचान है 'P-2, G-2' यानी 'Pro-People, Pro-Active Good Governance'. हम समय से पहले पूरे कोरोना कालखंड का एनालिसिस करेंगे तो पता चलेगा। दुनिया जब कोरोना के संकट से जूझ रही थी, तब हम एक के बाद एक कदम उठा रहे थे। वैक्सीनेशन के लिए वैक्सीन बनाने के लिए हमने कमेटियां बना दी थीं। योजनाएं बना ली थीं। वैज्ञानिकों को काम पर लगा दिया था। वह भी तब, जब दुनिया ने सोचा तक नहीं था कि मामला कितना गंभीर होने वाला है।

तुष्टीकरण से तृप्तीकरण की ओर

देश सब देखता है और उसी के कारण किसी समय की निराशा आज आशा में बदल चुकी है, विश्वास में बदल चुकी है, श्रद्धा में बदल चुकी है। भरोसे का विस्तार होता ही जा रहा है। देश अस्थिरता से स्थिरता की ओर, स्थिरता से निरंतरता की ओर बढ़ चुका है। वो एक कालखंड था 'तुष्टीकरण' का, ये कालखंड है 'तृप्तीकरण'

का। हम सेचुरेशन की बात करते हैं। सारी योजनाओं से तृप्ति की कल्पना लेकर चल रहे हैं। तुष्टीकरण के कालखंड से तृप्तीकरण के कालखंड की ओर भारतीय जनता पार्टी आगे बढ़ रही है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है। हमें आनेवाली पीढ़ियों को आज से बेहतर भविष्य देना है। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करना है। हर गरीब को विश्वास देना है कि आपको जैसी जिंदगी गुजारनी पड़ी, हम अपने बच्चों को ऐसी जिंदगी जीने के लिए मजबूर नहीं करेंगे। आपने मुसीबतें झेली होंगी। आपने अभाव में गुजारा किया होगा। आपके घर में शाम को चूल्हा नहीं जला होगा, लेकिन हम भरोसा देते हैं कि आपके बच्चों की जिंदगी में हम ऐसा समय नहीं आने देंगे।

प्रगति की दिशा

1965 में मुंबई में अपने एक संबोधन में दीनदयालजी ने एक प्रश्न उठाया था। वो प्रश्न और उनका संदर्भ आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दीनदयालजी ने कहा था कि स्वतंत्रता के बाद ये जानना स्वाभाविक था कि अब हमारी प्रगति की दिशा क्या होगी। दीनदयालजी ने आजादी के 17 वर्ष बाद इस बात पर सवाल खड़े किए थे कि देश की प्रगति की कोई दिशा तय नहीं है। 1947 में आजाद हुए और 1965 में सवाल पूछा कि दिशा क्या हैं, कहां जा रहे हैं? कहां पहुंचना है? क्यों जा रहे हैं? कैसे जाएंगे? किसके लिए जाएंगे? जाकर क्या करेंगे? किसी को पता नहीं था। करीब-करीब दो दशक बीतने को थे, तब भी देश अस्पष्टता से गुजर रहा था। तब दीनदयालजी ने सवाल खड़े किए थे। इसके बाद इतने लंबे कालखंड में जो दल सरकारों में रहे उन्होंने इन प्रश्नों को गंभीरता से खोजने की कोशिश नहीं की। आज संतोष के साथ हम कहते हैं, गर्व के साथ हम कहते हैं कि हमारे मनीषियों ने, ऋषियों ने, हमारे पूर्वजों ने, हमारी पार्टी के पूर्व के सारे लोगों ने जो बीज बोए और जो रास्ता दिखाया, उसके आधार पर हम कह सकते हैं कि देश की प्रगति की दिशा भी तय है और देश उस दिशा में तेजी से आगे भी बढ़ रहा है। हमारे सपने भी साफ हैं, हमारे संकल्प भी उतने साफ हैं। हमारी नीति भी साफ है, हमारी नियत भी साफ है। हमारे निर्णय भी जनकेंद्री हैं और हमारी नीति भी जनकल्याण की रही है। आज भारत का लक्ष्य 'आत्मनिर्भर' होने का है। आज भारत का संकल्प अपने 'लोकल' को 'ग्लोबल' बनाने का है। आज भारत का प्रयास अपने हितों को सर्वोपरि रखते हुए पूरी दुनिया से सहयोग का है। आज

का भारत अपनी विरासत पर गर्व करते हुए विकास के नए आयाम बना रहा है। आज का भारत बिना भेदभाव, बिना पक्षपात 'सबका साथ, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ आगे चल रहा है। प्रगति की यही दिशा भारत को 21वीं सदी में नई ऊंचाई पर ले जाएगी। प्रगति की यही दिशा भारत को समृद्ध करेगी। हर भारतीय के जीवन को आसान बनाएगी।

शाश्वत भारत

हमारी संस्कृति ने, हमारे पूर्वजों की तपस्या ने, उनके जीवन दर्शन ने, भारत को बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना करने की ऐसी असीम शक्ति दी है जो कभी खत्म नहीं हो सकती। युग बदलता है, समय बदलता है, देश बनते हैं, देश कभी अटक जाते हैं, कभी आगे बढ़ जाते हैं, कभी शायद भूगोल और इतिहास कहीं से समाप्त भी हो जाते हैं। लेकिन ये देश ऐसा है, शाश्वत है, शाश्वत रहता है और शाश्वत रहनेवाला है। कोरोना के इस कालखंड में हमने भारत की इस शक्ति को अनुभव किया है, दर्शन किया है। विश्व चकित है कि ऐसे समय में जब वैश्विक महामारी की वजह से दुनियाभर में गरीबी बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी। अध्ययन में सामने आया कि भारत में गरीबी कम हुई है। नियति का भी तो कारण होगा। नीतियों का भी तो कारण होगा। सच्चे मन से किए गए संकल्पों का समर्पण भी तो होता है, तब जाकर सिद्धियां प्राप्त होती हैं।

वैक्सीनेशन का आंकड़ा दो सौ करोड़ के पार

ऐसे समय में जब पूरे विश्व में आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हैं, बड़े-बड़े देश विकास के लिए संघर्ष कर रहे हैं, भारत सबसे तेजी से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना हुआ है। यह दुनिया ने माना है। ये आंकड़े विश्व के आंकड़े हैं, विश्व की गणमान्य संस्थाओं के आंकड़े हैं। एक ऐसे समय में जब ग्लोबल सप्लाई चेन बिखरी हुई है, भारत एक्सपोर्ट में नए रिकार्ड बना रहा है। प्रगति एक बात है लेकिन जब चारों ओर प्रगति रुकी हुई हो और तब प्रगति के रास्ते खोजने में साहस लगता है।

एक ऐसे समय में जब दुनिया के बड़े-बड़े देशों के लिए वैक्सीनेशन बहुत बड़ी चुनौती है, आज भी विश्व का एक बहुत बड़ा वर्ग है जिनको दूर से भी वैक्सीनेशन

के दर्शन होना संभव नहीं हुआ है, भारत दो सौ करोड़ वैक्सीन लगाने के करीब पहुंच रहा है। अब कल्पना कीजिए सिर्फ वैक्सीन बनी, पैसे हैं, इसलिए पहुंच गया, ऐसा नहीं है। सामान्य से सामान्य सरकारी आखिरी पुर्जे तक इस काम की प्राथमिकता का जब संदेश जाता है, प्रधानमंत्री से लेकर पटवारी तक हरेक के मन में एक भाव जगता है कि वैक्सीनेशन एक बहुत बड़ा काम है, करना है। इतनी बड़ी ताकत लगती है, इतने महीनों तक लगती है, इतनी कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच लगती है, मौसम के उतार-चढ़ाव के बीच लगती है, तब जाकर सिद्धि आती है। उसके मन का वो भाव होता है कि ये मेरा देश है। ये मेरे देशवासी हैं। हर एक की जिंदगी बचाना मेरा कर्तव्य है और ये भाव धन से पैदा नहीं होता। लैबोरेटरी में वैक्सीन बन जाने से नहीं होता है। समाज के लिए जीने-मरने की प्रेरणा लेकर जब चलते हैं, तब यह भाव पैदा होता है और तब जाकर दो सौ करोड़ डोज तक पहुंच पाते हैं। दुनियाभर में वैक्सीनेशन के खिलाफ मोर्चे निकले हैं, पुलिस के लाठीचार्ज हुए हैं। यह इस देश का संस्कार देखिए, 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय।' उसने यह कल्पना नहीं की कि मुझे वैक्सीन लगेगी तो नुकसान होगा तो क्या होगा, उसने सोचा वैक्सीन लगने से सर्वजन का भला होता है तो मैं वैक्सीन लगा लेता हूं। इस मनोभाव के कारण हर हिंदुस्तानी ने वैक्सीनेशन करवाया है।

हमने सिर्फ अपना ही वैक्सीनेशन किया, ऐसा नहीं। दो सौ करोड़ डोज लेकर हम अटके, ऐसा नहीं है। हमने करीब-करीब 25 करोड़ डोज दुनिया के ऐसे गरीब देशों को पहुंचाएं हैं और उनकी जिंदगी बचाने के लिए भी 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के मंत्र जी करके 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को चरितार्थ करने में हम सफल हुए हैं।

सच्चे लोकतंत्र का संस्कार

विश्व के सामने अनेक चुनौतियां हैं लेकिन भारत वो देश है जो विश्व से समाधान के साथ बात कर रहा है। हमें भारत की इसी प्रगति को निरंतर गति देनी है। अगले 25 वर्ष के 'अमृतकाल' में भारत को चौतरफा विकास की गति बनाए रखनी है। आज जो हम करेंगे, हम मिलकर करेंगे— वो वर्तमान के साथ ही आनेवाली पीढ़ियों का भविष्य भी बनानेवाले हैं। एक और बात याद रखनी है— देश आज परिवारवादी राजनीति और पुरानी मानसिकता से ऊब चुका है और ये परिणाम

नजर आ रहे हैं। आनेवाले दिनों में ऐसे दलों के लिए टिक पाना मुश्किल होनेवाला है। हिंदुस्तान की युवा पीढ़ी इस मानसिकता को कभी स्वीकार नहीं करेगी, मेरे शब्द लिखकर रखिए। लोकतंत्र में सिर्फ सत्ता प्राप्त करने का रास्ता लोकतांत्रिक तरीके हैं, इतना नहीं। हमें शुद्ध रूप से लोकतांत्रिक मानसिकता से चलना होता है। दल के अंदर भी लोकतांत्रिक व्यवस्था को व्यवस्थित करना होता है और हमारे यहां डेमोक्रेटिक नेचर क्या है? हमें विचार कैसे आते हैं, हमारे संस्कार कैसे हैं? ये थोपे हुए संस्कार नहीं हैं। राजनीतिक मजबूरियां नहीं हैं। सस्ती लोक-चाहना का रास्ता भी नहीं है। ट्रू-डेमोक्रेसी के संस्कार हैं, तभी जाकर सरदार वल्लभभाई पटेल कार्यकर्ता तो कांग्रेस के रहे हैं, परंतु उनका दुनिया का सबसे बड़ा स्टैच्यू बनाने में हमें गर्व होता है। देश के प्रधानमंत्री हमारे तो एक ही थे, बाकी तो सब और दलों के थे। जिन्होंने हमें नष्ट करने के प्रयास किए थे, ऐसे-ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं। लेकिन उसके बावजूद भी सभी प्रधानमंत्रियों का म्यूजियम बनाने का साहस हम ही कर सकते हैं क्योंकि हमारे अंदर ट्रू-डेमोक्रेसी के संस्कार हैं। बाबा साहब के पंचतीर्थ बनाने का साहस भी हम ही कर सकते थे। पूज्य बापू को फिर से पूरे विश्व के सामने उस सत्य रूप को सामने लाने का प्रयास भी हम ही कर सकते हैं। खादी को पुनर्जीवित करने की कोशिश भी हम ही कर सकते हैं क्योंकि जो देश का है और जो उत्तम है वो हमारा है, इस भाव को लेकर हम पले-बढ़े हुए हैं।

सबके सुझाव का स्वागत

भारतीय जनता पार्टी का हमेशा प्रयास रहा है कि हम सबकी सलाह और सबके सुझाव पर मनन करते हैं, चिंतन करते हैं, निर्णय लेते हैं और नीतियां बनाते हैं। इसलिए नए कानून बनाने से पहले, नई नीतियां लागू करने से पहले, सभी 'स्टेक-होल्र्डस' से गंभीर चर्चा होती है। mygov portal पर लोगों से सुझाव लिए जाते हैं। ये भी जनभागीदारी का बहुत बड़ा रूप है, लेकिन मुझे कभी-कभी बहुत अफसोस भी होता है कि विपक्ष के कुछ राजनीतिक दल, जो बरसों तक सत्ता में रहे, वो सिर्फ और सिर्फ अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जन-हितैषी योजनाओं का, देशहित में लिए गए निर्णयों का अंधा विरोध करते हैं। जनता न उनको सुनती है, न स्वीकारती है और लगातार नकारती है। नकारात्मकता के बीच सकारात्मक बातों को उठाना बड़ी चुनौती है। हमने इन

आठ सालों में भ्रष्टाचार के खिलाफ कितना कुछ किया है, उसकी चर्चा भी जनता तक पहुंचनी चाहिए। हमने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए कितना कुछ किया है, हमें उसको अपनी डायरी में लिखकर लगातार बोलते रहना चाहिए। ताकि जन-जन का पैसा जनता के काम के लिए आता है।

सात सूत्र का पालन

आपको याद होगा मैंने प्रयागराज में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अवसर पर भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए सात सूत्रों का वर्णन किया था। जब मुझे अवसर मिला मैंने उसे दोहराया भी है। मैं आज दोबारा उसको दोहराना चाहता हूं। वही सब परिपूर्ण है, मैं ऐसा कहता नहीं हूं, लेकिन जो विचार मेरे मन में आए थे, मैंने दो-तीन बार आपके सामने रखे। ये हम सब कार्यकर्ताओं के लिए है— **सेवाभाव, संतुलन, संयम, समन्वय, सकारात्मकता, संवेदना और संवाद**। ये सात सूत्र हमारे जीवन से जुड़ेंगे, तो हम पार्टी की सेवा भी ईमानदारी से कर पाएंगे और समाज में अपनी भी एक अलग पहचान बन पाएगी और मुझे खुशी है कि भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता प्रयत्नपूर्वक उसी रास्ते पर चल रहा है। हर बार कोशिश करता है कि उन मूलमंत्रों से आगे-पीछे न हो, इससे बड़ा गर्व क्या हो सकता है। पार्टी का हर कार्यकर्ता इन बातों को लेकर चल रहा है, तभी तो जाकर के कोरोना कालखंड में इतना बड़ा सेवाभाव का काम हुआ। तभी तो आपदा के समय किसी भी चुनौती को उठा लेना संभव होता है। आपकी इसी तपस्या के कारण आज केंद्र सरकार ने जनकल्याण की सभी योजनाओं के 100 प्रतिशत सैचुरेशन का लक्ष्य रखा है। 'तुष्टीकरण' से निकालकर देश को 'तृप्तीकरण' की ओर ले जाने का रास्ता चुना है। शत-प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचने में हर कार्यकर्ता की भूमिका है। शासन व्यवस्था की हर इकाई की भूमिका है।

मातृशक्ति का आशीर्वाद

आज देश की हमारी माताएं, बहनें, महिलाएं भारतीय जनता पार्टी को जो आशीर्वाद दे रही हैं, हमें उनके मनोभावों को बारीकी से समझना होगा। हमें उनके सामर्थ्य को समझना होगा। आप कल्पना नहीं कर सकते इतना आशीर्वाद माताओं, बहनों से हमें मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी की कार्यकर्ताओं ने हमारी नीतियों

में, हर बात में, हमें इस बात को हमेशा रखना है। हमारे कार्यक्रमों की रचना में भी। मुझे खुशी है कि इस कार्यकारिणी बैठक में मंच संचालन सहित हर कामों में हमारी बहन कार्यकर्ताओं को अवसर दिया गया। मैं बधाई देता हूं अध्यक्षजी को। यह परंपरा हमारी आगे अन्य राज्यों में, जिलों में चलती रहनी चाहिए। इतना ही नहीं, सिर्फ राजनीतिक रूप से सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं की मैं बात मैं नहीं कर रहा हूं। देश की 50 प्रतिशत जनसंख्या की बात कर रहा हूं। उनके सामर्थ्य की बात कर रहा हूं। आप कल्पना नहीं कर सकते, इतना बल हमें उनसे मिल रहा है। हम हर महिला लाभार्थी तक पहुंचें। हम सुख-दुःख में भी साथ खड़े हों। हर कार्यकर्ता को यह प्रयास निरंतर करते रहना चाहिए। मेरा एक विशेष आग्रह रहेगा कि भाजपा के प्रतिनिधि जनता में ये भाव लेकर जाएं कि आजादी के इतने वर्षों बाद, पहली बार आदिवासी महिला राष्ट्रपति पद को सुशोभित करनेवाली हैं। ये वंचित, दलित, शोषित, आदिवासी समाज को एक नई पहचान और उनके गौरव को आजादी के 'अमृतकाल' में परिभाषित करनेवाली भावना से भरा हुआ है।

युवाओं को जोड़ें

अन्य प्रयासों के बीच हमारा यह भी ध्येय होना चाहिए कि हम ज्यादा से ज्यादा युवाओं को साथ लाएं। उन्हें भविष्य के लिए, नेतृत्व के लिए तैयार करें। जो युवा सीधे राजनीति में नहीं भी हैं, उन्हें भी साथ लाने के लिए हम अलग-अलग फ्रंट पर हम काम कर सकते हैं। मैंने कुछ सुझाव दिए हैं। मुझे विश्वास है उन पर नई योजनाएं बनेंगी। 'फर्स्ट टाइम वोटर' पर तो हमारा खास ध्यान होना चाहिए। जिसको पहली बार वोट देने का हक मिल रहा है उसके जीवन की बहुत बड़ी घटना होती है। वे देश की निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं, यह अभिमान उनके अंदर जगाना चाहिए। मतदाता बनना एक रूटीन कार्य नहीं है। जन्म मात्र से चीजें बन जाती हैं, ऐसा नहीं है। एक बहुत बड़ी जिम्मेवारी इसके साथ आती है। बहुत बड़ा अवसर सामने आता है। ये भाव हमें प्रकट करना चाहिए। लोगों के बीच जाकर करना चाहिए।

हमारी विचारधारा 'राष्ट्र प्रथम'

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास', ये

हमारी सब चीजों में होना चाहिए। हमें लोगों को जोड़ने से ताकत कई गुना बढ़ जाती है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का विस्तार करना है। हमें लोगों को जोड़ना है। भाजपा के विस्तार का मतलब ही 'राष्ट्र प्रथम', नेशन फर्स्ट' की है। हमारी कोई विचारधारा है तो एक ही है, 'नेशन फर्स्ट'। हमारा कोई कार्यक्रम है तो एक ही है, 'नेशन फर्स्ट'। बड़े विवादों में उलझने की कोई जरूरत नहीं है।

विकास के एजेंडे पर हमें चलना है

हम जिन आदर्शों को लेकर चले हैं, हमें भूलना नहीं चाहिए। जनता ने हमको स्वीकारा है। जनता ने हमारा अनुमोदन किया है। आशीर्वाद देने में जनता ने कोई कमी नहीं की है, लेकिन अभी भी कई टोलियां ऐसी बैठी हुई है, जो सत्य को आगे पहुंचने में रुकावटें डालने की कोशिश करती हैं। आपने देखा होगा पहले जब पार्टी के मैनिफेस्टो में गरीबों के लिए योजना हों, किसानों के लिए हों, गांव के लिए हों, शहर के लिए हों, मध्यम वर्ग के लिए हों, सैकड़ों चीजें हों, लेकिन पहला सवाल क्या पूछते थे रामजन्मभूमि का क्या है? और पूछनेवाले कौन थे? जो अपने को सबसे ज्यादा सेक्युलर कहते हैं। जो उनके विरोधी थे वो भी पूछते थे, क्यों? क्योंकि उनको भाजपा की सही पहचान लोगों तक पहुंचने नहीं देनी। एक ही पहचान बनी रहे, उसी में वो लगे रहते हैं।

बहुत साल पहले की बात है, मैं तो राजनीति में नहीं था, अटलजी का गुजरात में किसी कार्यक्रम के लिए आना हुआ था। हमारे यहां बाबूभाई पटेल हुआ करते थे, उनके घर में उनका जलपान था। हमने संघ के कुछ कार्यकर्ताओं को भी सुबह-सुबह बुला लिया था। हमारे एक कार्यकर्ता ने उनसे कहा कि अटलजी अपनी प्रेस-कांफ्रेंस में कुछ किसानों के लिए बोलिए। कुछ गरीबों के लिए बोलिए तो अटलजी ने कहा, भाई कल ही मेरा कार्यक्रम हुआ था। कल ही मेरी प्रेस कांफ्रेंस हुई है। लेकिन अखबारवालों ने एक लाइन भी ली नहीं। गरीबों के लिए नहीं ली, किसानों के लिए नहीं ली। क्या लिया एक-आध जो गाय वाला विषय है, ऐसा-वैसा है बस, बस उसी पर लगे रहे वो। उनकी कोशिश होती है एक ही जगह पर हमें जकड़कर रखने की। कभी-कभी हम भी फंस जाते हैं। हमारे विकास के एजेंडा पर हमें चलना है। जो काम हम कर रहे हैं उसे बार-बार बोलना हैं। हमें कोई लपेटता रहे, उससे हमें बचकर रहना है और ये हमारा कौशल्य होना चाहिए।

राजनीतिक असहिष्णुता

आज हम सवाल पूछें कि आजादी का 'अमृत महोत्सव' क्या सरकार का कार्यक्रम है? क्या आजादी का अमृत महोत्सव भारतीय जनता पार्टी का कार्यक्रम है? क्या आजादी का 'अमृत महोत्सव', ये मोदी का कार्यक्रम है? ये पूरे देश का है। आप जरा खोजकर निकालिए कितनी पॉलिटिकल पार्टियां हैं, जिन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव पर कार्यक्रम बनाए हैं? आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए आगे आ रहे हैं? भले ही हमारे साथ न जुड़ो पर करो तो सही भाई। देश आजाद हुआ है। आजादी का लाभ आपको को भी मिल रहा है, लेकिन किस तरह की राजनीतिक असहिष्णुता है, इसका यह उदाहरण है। अगर हम सत्ता स्थान पर हैं तो करेंगे। हम बाहर हैं तो देश की कोई बात हमें मंजूर नहीं। बार-बार पूछना चाहिए। **आजादी के अमृत काल में 75 तालाब हर जिले में बनाने हैं**। सबका प्रयास होना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी की पूरी ताकत लगनी चाहिए। हमें भी तो कभी फावड़ा उठाना चाहिए। तालाब बनाने की प्रक्रिया में जुड़ना चाहिए। कारसेवा करनी चाहिए। देश में हमें अपने व्यवहार आचरण पुरुषार्थ और परिश्रम से, अपनी पहचान बनानी है।

जनकल्याण का भाव

25 साल का यह 'अमृतकाल' भारत के उज्ज्वल भविष्य के साथ ही भाजपा का भी उज्ज्वल भविष्य लेकर आएगा। हम सब एक नए भारत के निर्माण का सपना नजर के सामने रखकर चल पड़े हैं। इस कार्यसमिति के अंदर जो निर्णय हुए हैं, उन निर्णयों का शब्दशः पालन करने का हम प्रयास करें। भारतीय जनता पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना सिर्फ सत्ता प्राप्त करने के इरादे से नहीं, अपितु, हिंदुस्तान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के इरादे से। देश के जन-जन के कल्याण के लिए, इसी एक भाव को लेकर चलें। इसी एक भाव के साथ आपको मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं हैं। तेलंगानावासियों को एक बार फिर से बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। ■

❑❑❑

प्रस्ताव क्रमांक-1

आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प

हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 02 जुलाई, 2022 को पारित 'आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प' का संपूर्ण पाठ—

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के पिछले आठ वर्षों में भारत 'सबका साथ और सबका विकास' के प्रमुख सिद्धांतों पर आगे बढ़ रहा है। आज भारत विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठापित हो चुका है और भारत की विकास गाथा प्रधानमंत्री मोदीजी की आत्मनिर्भरता और गरीब कल्याण के संकल्प एवं सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। इसी लय से राष्ट्र की यह विकास गाथा और गतिमान होती रहेगी। 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के सत्ता संभालने के बाद वास्तव में भारत का चहुंमुखी विकास हुआ है। आठ वर्षों में देश की इतनी प्रगति प्रधानमंत्री मोदीजी की सोच का परिणाम है। हमें 2014 के चुनाव में प्रचंड जीत के कुछ ही घंटों बाद मोदीजी द्वारा दिया गया वह विजय-भाषण आज भी स्मरण है। उसमें सबसे प्रमुख बात यह थी कि भारत का समावेशी विकास करना है। उन्हें पता था कि इसके लिए उन्हें डिलीवरी तंत्र में आमूलचूल परिवर्तन करना होगा। कांग्रेस के शासन में योजनाएं और नीतियां कागजों में सिमट कर रह जाती थीं। डिलीवरी तंत्र में छेद ही छेद थे। हर जगह लूटखसोट थी। किंतु मोदीजी की सरकार आई और योजनाओं को धरातल पर लागू किया गया। मोदीजी के डिलिवरी तंत्र में सुनिश्चित किया गया कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। इस सफलता के पीछे प्रधानमंत्री मोदीजी का 'सबका साथ-सबका विकास' मंत्र था। कांग्रेस शासन के समय सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ चेहरा और पहचान देखकर दिया जाता था, कांग्रेस के शासन में योजनाएं वोट बैंक की राजनीति करते हुए कुछ विशेष समूहों या जातियों के लिए ही बनाई जाती थीं। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व

वाली भाजपा सरकार ने यह पक्षपाती व्यवस्था बदली और सुनिश्चित किया कि सरकारी योजनाएं देश के प्रत्येक नागरिक के लिए हों और इनका लाभ निष्पक्षता से सभी वर्गों, समुदायों और व्यक्तियों को मिले।

प्रधानमंत्री मोदीजी की सोच से जो एक और नया प्रतिमान आया, वह यह था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाया जाए।

प्रधानमंत्री मोदीजी ने देश में यह विश्वास भरा कि हमारे पास संसाधन हैं, हमारे पास श्रमशक्ति है, हमारे पास विश्व की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं हैं। हम सर्वश्रेष्ठ उत्पाद बनाएंगे, 'मेड इन इंडिया' उत्पादों की गुणवत्ता अच्छी करेंगे, और अपने उत्पादों को वैश्विक बाजार में ले जाने के लिए और भी बहुत कुछ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदीजी के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना 'वसुधैव कुटुंबकम' पर आधारित है। जब भारत आत्मनिर्भरता की बात करता है तो यह स्व-केंद्रित प्रणाली का पक्ष नहीं लेता है। भारत की आत्मनिर्भरता के संकल्प में समस्त विश्व के सुख, सहयोग और शांति का भाव निहित है।

प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा भारत की आत्मनिर्भरता प्राप्ति के लक्ष्य की ओर ले जाने के लिए पांच क्षेत्र चुने गए हैं:

- **अर्थव्यवस्था**: ऐसी अर्थव्यवस्था जो कि क्रमिक परिवर्तन के बजाय एक साथ बहुत बड़ा परिवर्तन लानेवाला हो।
- **मूलभूत अवसंरचना**: ऐसी मूलभूत अवसंरचना जो आधुनिक भारत की पहचान और विदेशी निवेश आकर्षित करनेवाला हो।
- **तंत्र**: ऐसा तंत्र हो जो आधुनिक प्रौद्योगिकी को अंगीकार करनेवाला हो और समाज में डिजिटल तकनीक के प्रयोग को बढ़ानेवाला हो।
- **जनांकिकी**: अपनी बहुमुखी प्रतिभावान और युवा जनांकिकी का सर्वोत्तम उपयोग हो।
- **मांग**: हमारे पास बड़े स्तर पर घरेलू बाजार और मांग वाले क्षेत्र हैं, जिनका पूरी क्षमता से दोहन हो।

कोविड राहत और पुनरुत्थान

आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के दूसरी बार पदभार संभालने के तुरंत बाद विश्व के

साथ-साथ भारत को भी एक वैश्विक महामारी की अभूतपूर्व चुनौती का सामना करना पड़ा। यद्यपि, भारत न केवल अपने लोगों की रक्षा करने और मानवता की सहायता के लिए लगभग 100 देशों तक सहायता का हाथ बढ़ाने में सफल रहा, अपितु प्रत्येक स्तर पर और शक्तिशाली होकर उभरा। कुशल प्रशासन, नवोन्मेषी सोच, अच्छी तरह से जांची-परखी नीतियां, जन-कल्याण की नीतियों का त्वरित क्रियान्यवन और 1.35 अरब लोगों की सेवा करने की अटूट प्रतिबद्धता ने इस सफलता के मार्ग को प्रशस्त किया।

रिकार्ड समय में भारत की स्वदेशी वैक्सीन का उत्पादन और वितरण सफलता की उल्लेखनीय गाथा है। भारत ने डेढ़ वर्ष में अपने नागरिकों को 191 करोड़ से अधिक वैक्सीन खुराक दी है। ध्यान रहे, यह वही भारत है जिसे विदेशों में खोज हो जाने के पश्चात भी पोलियो वैक्सीन के लिए 30 वर्ष तक प्रतीक्षा करनी पड़ी थी। किंतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्ववाले भारत ने न केवल कोवैक्सीन नामक अपनी स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन लगभग तुरंत ही विकसित कर ली, अपितु विदेशों में विकसित कोविशील्ड वैक्सीन का स्वदेश में साझेदारी के आधार पर उत्पादन भी किया। सरकार के सूक्त वाक्य 'वसुधैव कुटुंबकम' पर आगे बढ़ते भारत ने लगभग 100 देशों को इन टीकों का निर्यात किया। महामारी के समय मृत्यु दर और रुग्णता दोनों को नियंत्रित करने के लिए स्वास्थ्य का मूलभूत ढांचा महत्वपूर्ण था। मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में देश भर में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा की मूलभूत अवसंरचना को तेजी से हजारों गुना बढ़ाया है। उदाहरण के लिए देश में गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) में पेशेंट बेड्स की संख्या मार्च 2020 में 2,168 थी, जिसे जनवरी, 2022 तक बढ़ाकर 1.39 लाख कर दिया गया। इसी अवधि में देशभर में आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सुविधा युक्त बेड, प्रेशर स्विंग एब्जॉर्प्शन (पीएसए) प्लांट्स (ऑक्सीजन प्लांट्स) और पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई) किट की निर्माण क्षमता भी इसी परिमाण में बढ़ाया गया। यह देश के स्वास्थ्य ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन और सशक्त रूपांतरण को दर्शाता है।

आर्थिक पुनरुद्धार— पहल, वृहद्-दृष्टिकोण और लक्षण

कोविड-19 ने न केवल भारत, अपितु विश्व के लगभग सभी देशों की आर्थिक गतिविधियों को बाधित किया। संक्रमण के भय ने श्रम-बल की भागीदारी

के साथ-साथ श्रमिकों को काम पर रखने के लिए नियोक्ताओं की इच्छा को भी प्रभावित किया। अनेक प्रकरणों में संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए सरकारों द्वारा लॉकडाउन लगाए गए, जिसने आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया। एक दूसरे से जुड़े विश्व में, जहां कहीं भी उत्पादन में व्यवधान आया, वहां इससे आपूर्ति-श्रृंखला टूटी और इसने आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया। ऐसे वातावरण में भारत में स्थिर कीमतों पर 2019-20 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत से घटकर 2020-21 में -6.6 प्रतिशत हो गई थी, किंतु भारत महामारी के कुशल प्रबंधन के साथ ही 2021-22 में अनुमानित 8.7 प्रतिशत वृद्धि प्राप्त करने में सफल रहा। आवासन क्षेत्र में बाजार के उभरने के प्रत्यक्ष संकेत दिख रहे हैं।

महामारी और यूक्रेन युद्ध आरंभ होने के बाद से ही हमारी सरकार ने असाधारण उपाय किए हैं। हमने अपने महान देश के आमजन और महिलाओं को सीधा लाभ पहुंचाने के लिए योजनाएं आरंभ की हैं और कदम उठाए हैं। हमने छोटे व्यापार को ऊपर उठाने के लिए अनेक उपाय किए हैं और इसके लिए बड़े परिमाण में धन की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री मोदीजी ने अनेक दीर्घावधि योजनाएं आरंभ कर इस देश के भविष्य को सुरक्षित करने का कदम उठाया है। हम अपने प्रधानमंत्रीजी को नमन करते हैं कि उन्होंने ऋण/जीटीपी और वित्तीय समझदारी के पथ को अपनी सरकार की घोषित परिधि में रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि हम अपने साधनों से अधिक व्यय न करें और न ही क्षमता से अधिक बोझ डालें।

भारत के रिकॉर्ड निर्यात प्रदर्शन की प्रत्येक स्थान पर भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है और बहुतों ने भारत के उत्प्लावक निर्यात प्रदर्शन का लक्ष्य मन में पाल रखा है। इसके स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा रहा है। 2021-22 में सेवा क्षेत्र का निर्यात 25,000 करोड़ डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 21.3 प्रतिशत की दर से बढ़ा। 2021-22 में भारत का कुल निर्यात (व्यापार व सेवा मिलाकर) 34.5 प्रतिशत वृद्धि के साथ 66,965 करोड़ डॉलर पहुंच गया। लौह और इस्पात के निर्यात का मूल्य 2013-2014 के 7.64 अरब डॉलर की तुलना में 2021-2022 में बढ़कर 19.25 अरब डॉलर हो गया है। इसी प्रकार, 2013-14 के बाद पिछले 8 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई, ट्रैक्टरों के निर्यात में 72 प्रतिशत की वृद्धि

हुई और इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात में 49 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2017-18 के 1300 करोड़ रुपए के मोबाइल फोन के निर्यात की तुलना में 2021-22 में लगभग 43,000 करोड़ रुपए के मोबाइल फोन निर्यात किए गए।

भारत सरकार ने वृहद् अर्थशास्त्र के सुदृढ़ सिद्धांतों के साथ आर्थिक विकास की गति को बनाए रखा है और भारत की यह आर्थिक सुदृढ़ता निवेशकों की भावनाओं में पर्याप्त रूप से परिलक्षित होती है। पंजीकृत निवेशकों की संख्या में बड़ी वृद्धि हुई है। अपने घरेलू समकक्षों के जैसे, विदेशी निवेशकों ने भी बड़े परिमाण में निवेश करके भारत में विश्वास व्यक्त किया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह 2021-22 में 83.50 अरब डॉलर के उच्च स्तर को छू गया। 2014 से पहले 2013-14 में एफडीआई मात्र 36.50 अरब डॉलर था।

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा दिए गए ऋणों में 2021-22 में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। साख वृद्धि को महामारी के पहले वाली स्थिति में लाने में सफलता मिली और यह उत्साहजनक संकेत है, जिससे समग्र आर्थिक विकास में तेजी आने की संभावना है। भविष्य के अवसरों और 'न्यू इंडिया' के निर्माण को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं आरंभ की गई हैं; जैसे कि बड़ी मात्रा में रोजगार सृजन करने वाले विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाएं। ये योजनाएं व्यापक स्तर पर विनिर्माण क्षेत्र और इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर, कपड़ा, एलईडी लाइट और ऑटोमोटिव उत्पाद क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए तैयार हैं। विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार उत्पन्न करने की बड़ी क्षमता के साथ 13 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.97 करोड़ रुपये की योजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। हमारी सरकार ने इस तथ्य को समझा कि माइक्रो चिपों की आपूर्ति के लिए हम बाहर की कंपनियों पर निर्भर हैं। हमें यह उल्लेख करते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि प्रधानमंत्री मोदीजी ने माइक्रो चिप पर विदेशों की निर्भरता समाप्त करने और आईटी क्षेत्र की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश में माइक्रो चिप उत्पादन पर बल दिया और इस दिशा में प्रभावी पहल की है।

मध्यम, लघु और सूक्ष्म उद्यमों (एमएसएमई) के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के अंतर्गत मोदी सरकार ने 3.19 लाख करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। 1.8 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति को गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) बनने से बचाया गया। सरकार के इस प्रयास से देश में 13.5 लाख एमएसएमई को बचाया गया, जो कि भारत के औद्योगिक विकास

के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस योजना ने न केवल लघु एवं मध्यम स्तर के उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान की, अपितु 1.5 करोड़ रोजगार सृजनकर्ताओं को भी बचाया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 6 करोड़ लोगों की आजीविका बची। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने जून 2022 की वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन में कहा है कि मार्च, 2022 में सकल एनपीए अनुपात छह वर्ष के सबसे निचले स्तर 5.9 प्रतिशत पर आ गया है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान भी मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी के लिए भविष्य की ओर देखती एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। 100 लाख करोड़ रुपए की मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी की यह योजना व्यक्तियों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही व परिवहन के लिए एक साधन से दूसरे साधन में एकीकृत और निर्बाध संबद्धता देने से साथ एक-दूसरे को जोड़ेगी। इससे अंतिम छोर तक मूलभूत ढांचे की संबद्धता की सुविधा मिलेगी। साथ ही, यह लोगों के लिए यात्रा के समय को भी कम करेगा। इस परियोजना के विस्तार से मूलभूत ढांचा क्षेत्र में हजारों रोजगार व नौकरियां उत्पन्न होंगी।

प्रधानमंत्री ने सभी सरकारी विभागों में मानव संसाधन की समीक्षा कर सरकार में 10 लाख नौकरियां सृजित करने का वचन दिया है। केंद्र सरकार द्वारा 'मिशन मोड' में भर्ती करने की घोषणा से रक्षा, रेलवे और राजस्व जैसे क्षेत्रों में नौकरी चाहने वालों को सहायता मिलेगी। मोदी सरकार द्वारा प्रस्तावित अग्निपथ योजना न केवल सशस्त्र बलों में सम्मिलित होने और राष्ट्र की सेवा करने के उनके सपने को पूरा करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगी, अपितु उन्हें सशक्तीकरण, अनुशासन और कौशल भी प्रदान करेगी।

सरकार ने पिछले आठ वर्षों में उचित मूल्य स्थिरता बनाए रखी है। हाल ही में, जहां उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई मुद्रास्फीति में उतार-चढ़ाव देखा गया, वहीं थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में मापी गई मुद्रास्फीति, भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं के कारण, आंशिक रूप से अस्थिर रही है। मोदी सरकार ने उचित मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए ठोस उपाय किए हैं।

'एक राष्ट्र, एक बाजार, एक कर' के विचार से प्रस्तुत किये गए वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) की प्रशंसा भारत के इतिहास में सबसे बड़े अप्रत्यक्ष कर सुधार के रूप में हुई है। देश भर में वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति पर एक समान कर लगाने के लिए जीएसटी ने करों की बहुलता और नकारात्मकता को

राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक के कुछ चित्र

भारतीय जनता पार्टी

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की कुछ झलकियां

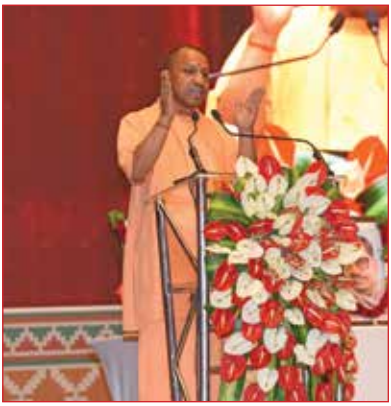

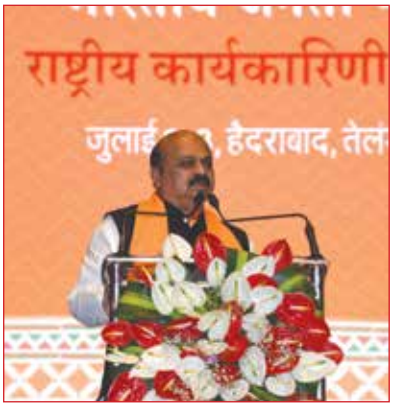

राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक की कुछ झलकियां

समाप्त किया है। यह अर्थव्यवस्था के विकास का एक अच्छा उपाय है और संतोष की बात यह है कि जीएसटी संग्रह अप्रैल, 2022 में 1.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। लेखा परीक्षण और विश्लेषण के सराहनीय प्रयासों से करवंचना (कर चोरी) करनेवालों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है, जिससे कर अनुपालन संस्कृति बन रही है। यह महत्वपूर्ण होगा कि इसको आगे बढ़ाते हुए कर अनुपालन संस्कृति में सुधार और गति बनाए रखी जाए।

गरीबी उन्मूलन

कोविड महामारी की पृष्ठभूमि में आरंभ की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन की सबसे बड़ी योजनाओं में से एक है। इस योजना के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को 25 महीने तक निःशुल्क अनाज (राशन) दिया गया। यह योजना अप्रैल 2020 से चलाई जा रही है और यह विश्व का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम है। इस योजना के अंतर्गत मोदी सरकार ने अब तक 2.60 लाख करोड़ रुपए व्यय किए हैं और अगले छह मास में सितंबर 2022 तक अतिरिक्त 80,000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। पीएमजीकेएवाई ने घोर निर्धनता को घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक ने भी योजना की इस भूमिका को स्वीकार किया है।

कृषक समुदाय का उत्थान और जीवन स्तर में सुधार हमारे प्रधानमंत्री मोदीजी की सर्वाधिक प्राथमिकता में है। किसान सम्मान निधि योजना गेम चेंजर है। इसके अंतर्गत 11.78 करोड़ किसानों को 10 किश्तों में सीधे उनके बैंक खातों में 1.82 करोड़ रुपए भेजे गए हैं। 2009-2014 (मनमोहन सरकार) के पांच वर्ष में देश के कृषि बजट में नाममात्र की 8.5 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। जबकि श्री नरेन्द्र मोदीजी के प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद 2014 से 2019 के बीच कृषि बजट में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा मोदी सरकार की किसान हितैषी मंशा, नीति और नेतृत्व का साक्ष्य है।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आर्थिक लाभ

दशकों से सरकारें जटिल वितरणात्मक न्याय एवं अंतर-पीढ़ीगत सामाजिक

सुरक्षा की समस्याओं के समाधान के लिए आधे-अधूरे मन से प्रयास कर रही थीं। भाजपा सरकार ने नीति-निर्माण को समाज के सबसे निर्धन वर्गों को समावेशित करने पर केंद्रित किया है। प्रधानमंत्री मोदीजी देश के पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर स्वच्छता जैसे विषयों पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है। यह विषय ग्रामीण जनसंख्या की भलाई के लिए केंद्रित है। स्वच्छ भारत, उज्ज्वला, पीएम आवास योजना, सौभाग्य और जल जीवन मिशन जैसी राष्ट्रव्यापी योजनाओं की डिजाइन और प्रभावी कार्यान्वयन ने यह सुनिश्चित किया है कि लाखों निर्धन लोगों का जीवन मौलिक रूप से परिवर्तित हो। उनके जीवन स्तर में कई गुना सुधार हुआ है।

'जल जीवन मिशन' का उद्देश्य सभी घरों में नल से जल पहुंचाना है। यह मिशन 'जीवन की गुणवत्ता' को उत्तम बनाने के लिए पूरे वेग से कार्य कर रहा है। यह मिशन उन महिलाओं के लिए 'जीवन की सुगमता' में वृद्धि कर रहा है जो जल एकत्र करने के लिए हर दिन लंबे, थकाऊ घंटे बिताती हैं। देश के 83 जनपद पहले ही 'हर घर जल' जनपद बन चुके हैं। पिछले दो वर्षों में नल के पानी के कनेक्शन वाले परिवारों में तेजी से वृद्धि हुई है। ऐसे परिवारों की संख्या बढ़कर 9 करोड़ से अधिक हो गई है। इस प्रकार देश में नल के पानी के कनेक्शन वाले परिवारों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत से बढ़कर 47.19 प्रतिशत हो गई है। जब यह मिशन 2024 तक पूरा होगा, देश के सभी घरों में सुरक्षित पेयजल, नल कनेक्शन का पानी होगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने रियायती एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए हैं। इस प्रकार महिलाओं को एक सुविधा के स्वामित्व के माध्यम से अधिक सम्मान प्रदान किया गया। उज्ज्वला योजना महिलाओं को धुआं मुक्त वातावरण प्रदान करती है और ईंधन की लकड़ी इकट्ठा करने के कठिन परिश्रम को कम करती है, जिससे उनका समय और स्वास्थ्य बचता है। 2022-23 के बजट में एलपीजी के लिए कम सब्सिडी आवंटन करने की आवश्यकता लगी, जिससे यह उत्साहजनक संकेत मिलता है कि भारत में एलपीजी पैठ में लगभग 99 प्रतिशत संतुष्टि है। ग्लासगो जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP26) में प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा देश के कार्बन उत्सर्जन को कम करने वाली घोषणा की दिशा में ये कदम दूरगामी परिणाम देनेवाला है।

आयुष्मान भारत और स्वच्छ भारत अभियान जैसी सामाजिक कल्याण

योजनाएं परिवारों को स्वास्थ्य गरीबी के जाल में गिरने से बचा रही हैं। इन दोनों योजनाओं की उपलब्धि को कम नहीं समझा जाना चाहिए, क्योंकि ये उपचार के बजाय रोकथाम करती हैं। आयुष्मान भारत सबसे गरीब 50 करोड़ भारतीयों को प्रति परिवार वार्षिक 5 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा कवरेज के साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुरक्षा की गारंटी देता है।

वित्तीय और डिजिटल समावेशिता

प्रधानमंत्री जनधन योजना और डिजिटल इंडिया के शुभारंभ के साथ वित्तीय और डिजिटल समावेशिता को शीघ्रता के साथ स्थापित किया गया था। सभी जनधन बैंक खातों में 55 प्रतिशत से अधिक खाते महिलाओं के हैं। जनधन योजना से 24.42 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। नाबार्ड द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि बैंक से जुड़े 1.1 करोड़ स्वयं सहायता समूहों में से 97 लाख विशेष महिला स्वयं सहायता समूह हैं। अपने इन महिलाओं का स्वयं के बैंक खातों पर नियंत्रण के साथ बैंकिंग उपकरणों की श्रृंखला तक पहुंच है।

जेएएम (जैम) ट्रिनिटी, अर्थात जनधन खाता, आधार और मोबाइल एक साथ, महिलाओं को बड़ी वित्तीय स्वायत्तता प्रदान कर रहे हैं। कोविड-19 के कठिन समय में इन प्रभावशाली और राष्ट्रीय स्तर पर निष्पादित नीतियों का बड़ा लाभ देखा गया। जनधन खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से महिलाओं को (तीन महीने तक 500 रुपए प्रतिमाह) 30,944 करोड़ रुपये वितरित किए गए। जेएएम ट्रिनिटी ने यह भी सुनिश्चित किया है कि 400 से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बिचौलियों और सहवर्ती शाखा के सीधे लाभार्थियों के खातों में स्थानांतरित हो। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के हिस्से के रूप में कोविड-19 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को 14 करोड़ से अधिक निःशुल्क एलपीजी रिफिल प्रदान किए गए। रीयल-टाइम लेन-देन (ट्रांजैक्शन) की दिशा में भारत ने डिजिटल इंडिया की मौन क्रांति रच डाली है। 2021 में भारत में 4860 करोड़ रीयल-टाइम लेन-देन हुए, जो कि चीन की तुलना में तीन गुना अधिक है और अमेरिका, कनाडा, यूके, फ्रांस व जर्मनी के संयुक्त रीयल-टाइम लेन-देन से सात गुना अधिक है।

उद्यमिता को प्रोत्साहन

पीएम-स्वनिधि भारत में धरातल पर उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करने की अनूठी योजना है। योजना के अंतर्गत 31.90 लाख रेहड़ी-पटरी वालों का ऋण स्वीकृत किया गया। स्टैंड-अप इंडिया योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और महिलाओं को 30,000 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। मुद्रा योजना के अंतर्गत लगभग 35 करोड़ उद्यमियों को ऋण स्वीकृत किए गए हैं। भारतीय स्टार्ट अप पारिस्थिकी तंत्र ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार और छिपी हुई भारतीय उद्यमशील प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने से जी उठा है। इसका साक्ष्य यह है कि आज बड़ी संख्या में भारतीय कंपनियां अरबों डॉलर की लुभावनी यूनीकार्न श्रेणी में प्रवेश कर रही हैं।

निष्कर्ष

अगला दशक भारत का दशक है और यह लक्ष्य आत्मनिर्भरता के बिना पूरा नहीं होगा। आर्थिक महाशक्ति बनने के लिए देश के गरीबों के उत्थान के प्रति हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी की प्रतिबद्धता इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कोविड-19 महामारी ने विश्व भर में कहर बरपाया और वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंद किया। जहां सभी उन्नत अर्थव्यवस्थाएं विकास पथ पर वापस आने के लिए आज भी संघर्ष कर रही हैं, वहीं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत, महामारी के अपने कुशल प्रबंधन, सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रिया, प्रो-एक्टिव प्रो-रेस्पांसिव और प्रो-पुअर नीति और इसके त्वरित क्रियान्वयन के कारण, इससे उबरकर प्रगति व विकास की नई कहानी लिखने के लिए तैयार खड़ा है।

भारत महामारी के अपने कुशल प्रबंधन और के कारण ठीक होने के पथ पर है। आईएमएफ के अनुमानों के मुताबिक आनेवाले वित्तीय वर्ष में भारत की विकास दर 8.2 प्रतिशत होगी। उभरती अर्थव्यवस्थाओं सहित विश्व की सभी अर्थव्यवस्थाओं में यह सबसे आशाजनक विकास अनुमान है। केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी दोनों को अपने सभी प्रयास और ऊर्जा भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व में सही स्थान पुनः दिलाने के लिए समर्पित करना चाहिए। ■

❑❑❑

प्रस्ताव क्रमांक-2

राजनीतिक प्रस्ताव

हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 03 जुलाई, 2022 को पारित 'राजनीतिक प्रस्ताव' का संपूर्ण पाठ—

आज आत्मविश्वास से परिपूर्ण राष्ट्र 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। भारत की पिछले आठ वर्षों की यात्रा हर स्तर पर अद्भुत उपलब्धियों, व्यापक परिवर्तनों एवं अविस्मरणीय कार्यों से भरी हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ एवं दूरदर्शी नेतृत्व में आज भारत जबरदस्त आत्मविश्वास से भरकर वैश्विक स्तर पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में उभरा है। चाहे वह कोविड-19 वैश्विक महामारी का दौर हो, किसी भी देश पर कोई प्राकृतिक आपदा हो या कहीं युद्ध ही हो रहा हो, भारत हर देश के साथ उसके संकट काल में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। जिस प्रकार से भारत ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान अन्य देशों की सहायता की, उसकी सर्वत्र भूरि-भूरि प्रशंसा हुई है।

देश सुशासन एवं विकास के रास्ते पर 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' के नए मानदंडों को स्थापित कर तीव्र गति से आगे चल पड़ा है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का संकल्प सिद्ध हो रहा है तथा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास' का मंत्र हर किसी को राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में योगदान करने को प्रेरित कर रहा है। पूरे देश ने एक बड़ी करवट ली है। चुनाव दर चुनाव भाजपानीत एनडीए को जनादेश मिला है तथा 2019 के आम चुनावों में देश की जनता ने 2014 से भी बड़ा आशीर्वाद भाजपानीत एनडीए को दिया है। आत्मविश्वास से परिपूर्ण राष्ट्र अपने विराट लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ा चुका है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार को गरीब, शोषित, पीड़ित एवं वंचित वर्गों के कल्याण तथा महिला एवं युवा सशक्तीकरण पर बल देते हुए केंद्रित किया है जिसका परिणाम यह है कि अनेक अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से इन वर्गों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है। इन जनकल्याण कार्यक्रमों के केंद्र में ग्रामीण जीवन, कृषि, किसानों एवं मजदूरों को रखकर उन्हें राष्ट्र की विकास यात्रा का सहभागी बनाया गया है। कोविड-19 महामारी के दौर में भी 'गरीब कल्याण

अन्न योजना' शुरू कर गरीब से गरीब के लिए भी भोजन सुनिश्चित किया गया। साथ ही महिला, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिकों एवं प्रवासी मजदूरों को विशेष सहायता उपलब्ध कराई गई।

एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि 'मेड इन इंडिया' टीका हर नागरिक को निःशुल्क उपलब्ध कराया गया, जिससे महामारी पर नियंत्रण मिलने में सफलता मिली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुस्पष्ट एवं संकल्पित नेतृत्व में देश ने हर चुनौती का समाधान पाने में सफलता प्राप्त की है। गरीब से गरीब व्यक्ति के कल्याण से लेकर हर क्षेत्र में पूरे आत्मविश्वास एवं मजबूती से उभरते भारत का चित्र—चाहे वह कृषि का क्षेत्र हो, अक्षय ऊर्जा का क्षेत्र हो, जलवायु परिवर्तन का क्षेत्र हो, स्टार्टअप्स, रक्षा या अंतरिक्ष का क्षेत्र हो—भारत हर ओर अपनी एक मजबूत स्थिति दर्ज करने में सक्षम हुआ है। आज जब 'आत्मनिर्भर भारत' का पथ प्रशस्त हो रहा है, एक नया भारत उभर रहा है।

देशभर में भाजपा का बढ़ता जनसमर्थन

पूरे देश में भाजपा को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन हाल के विधानसभा चुनाव परिणामों में पुनः प्रतिबिंबित हुआ है। जिन पांच राज्यों में चुनाव हुए, उनमें से चार राज्यों के चुनावों में भाजपा को न केवल विजयश्री प्राप्त हुई है, बल्कि शासन में रहे दल के पुनर्निर्वाचन का इतिहास भी बना है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर एवं गोवा में पूर्ण बहुमत से पुनः भाजपा सरकारें निर्वाचित कर मतदाताओं ने राजनैतिक स्थिरता का संकेत दिया है।

उत्तर प्रदेश में कई दशकों में यह पहली बार हुआ है कि किसी मुख्यमंत्री ने अपना कार्यकाल पूर्ण किया और किसी दल की सरकार पुनः निर्वाचित हुई है और वह भी दो तिहाई से भी अधिक बहुमत से। उत्तराखंड में हर पांच वर्ष में सरकार बदलने का क्रम तोड़ते हुए जनता ने प्रदेश की भाजपा सरकार को पुनः एक बड़ा जनादेश दिया है। मणिपुर में भाजपा सरकार पूर्ण बहुमत से पुनः निर्वाचित हुई है तथा गोवा में इस बार मतदाताओं ने स्पष्ट जनसमर्थन देकर भाजपा की सरकार बनाई है।

पंचायत से पार्लियामेंट तक, पश्चिम से पूरब तथा उत्तर से दक्षिण तक, हर ओर भाजपा को जनता का आशीर्वाद मिल रहा है। अभी कुछ दिन पूर्व ही असम

के कार्बी आंगलोंग स्वायत्त जिला परिषद् में सभी 26 सीटें जीतकर भाजपा ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी प्रकार हरियाणा में 46 नगर निगमों के चुनावों में 25 सीट पर भाजपा-जेजेपी गठबंधन ने विजय प्राप्त की है। तमिलनाडु स्थानीय निकाय चुनावों में भी नगर निगम चुनाव में 22 सीटें, नगरपालिका में 56 तथा जिला पंचायत में 230 सीटें जीतते हुए 308 सीटों पर भाजपा को अप्रत्याशित विजय मिली है तथा भाजपा तमिलनाडु की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक एवं महाराष्ट्र के विधान परिषद् चुनावों में भाजपा को जनता ने अपना आशीर्वाद दिया है। हाल के राज्यसभा चुनावों में भी भाजपा को आशा से अधिक सफलता प्राप्त हुई है। साथ में लोकसभा एवं विधानसभा उपचुनावों में भी भाजपा को बड़ी सफलता मिली है।

जिस प्रकार का भारी जनादेश देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील एवं करिश्माई नेतृत्व में भाजपा को दे रही है, उससे देश में पिछले तीन दशकों की राजनैतिक अस्थिरता का दौर समाप्त हुआ है। भाजपा के पक्ष मे यह अद्भुत जनसमर्थन देश में एक नए राजनैतिक युग का शंखनाद कर रहा है। आज केंद्र के साथ-साथ देश के 18 राज्यों में भाजपा-एनडीए शासन में है, जो देश के भाजपा पर बढ़ते हुए विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। भौगोलिक रूप से एक-दूसरे से दूर एवं जनसंख्या की दृष्टि में भिन्न इन प्रदेशों में इस प्रकार के जनसमर्थन से यह स्पष्ट है कि सुशासन, विकास एवं 'परफॉर्मेंस' की राजनीति अब भारतीय राजनीति के हृदय में अपना स्थान बना चुकी है। इस अद्भुत जनसमर्थन के लिए भारतीय जनता पार्टी देश की जनता के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त करती है एवं देशवासियों को आश्वस्त करती है कि हम जनाकांक्षाओं को निश्चत रूप से पूरा करेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत

गुजरात दंगों पर सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय से 'सत्यमेव जयते' का घोषवाक्य पुनः एक बार सत्य सिद्ध हुआ है। यह अब पूरी तरह से प्रमाणित हो चुका है कि एक राजनीतिक षड्यंत्र के अंतर्गत गुजरात दंगों पर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को दुर्भावनापूर्ण तरीके से निशाना बनाने के कुप्रयास हुए। इसमें कांग्रेसनीत विपक्ष के प्रतिशोध की राजनीति के अंतर्गत कुछ

तथाकथित एनजीओ एवं बुद्धिजीवी और यहां तक कि विदेश से संचालित मीडिया का एक वर्ग एवं इनका पूरा 'इकोसिस्टम' तक शामिल थे। माननीय प्रधानमंत्रीजी ने झूठे आरोपों, निराधार आक्षेपों एवं कई प्रकार के दुष्प्रचारों को बरसों तक सहते हुए कभी भी भारतीय संविधान, न्याय प्रक्रिया एवं देश की न्यायिक व्यवस्था पर से अपना विश्वास नहीं डिगने दिया और अंततः वे हर प्रकार की अग्निपरीक्षा से अक्षुण्ण होकर बाहर निकले हैं। माननीय प्रधानमंत्रीजी ने वर्षों तक जिस प्रकार राजनीतिक सहिष्णुता, सहनशीलता, परिपक्वता, उदारता तथा लोकतंत्र एवं संविधान के प्रति आस्था का प्रदर्शन किया है, वह भारतीय समाज जीवन में एक उदाहरण है। इसके लिए भाजपा की यह कार्यकारिणी उनका अभिनंदन करती है।

ध्यान देने योग्य है कि इसके पूर्व भी हर स्तर के न्यायालयों, चाहे वह जिला स्तर हो, उच्च न्यायालय हो या अब सर्वोच्च न्यायालय, हर स्तर पर माननीय प्रधानमंत्रीजी बेदाग साबित हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से माननीय प्रधानमंत्रीजी के विरुद्ध एक बड़ा राजनीतिक षड्यंत्र भी बेनकाब हुआ है और सर्वोच्च न्यायालय ने इन षड्यंत्रकारियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय का हृदय से स्वागत करती है तथा दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई का समर्थन करती है। साथ ही, यह कार्यकारिणी राजनीतिक दुर्भावना एवं प्रतिशोध से ग्रसित ऐसी षड्यंत्रकारी राजनीति की कड़ी भर्त्सना करती है तथा कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दलों से मांग करती है कि वे पूरे राष्ट्र से इस षड्यंत्रकारी राजनीति के लिए क्षमा याचना करें।

कांग्रेसनीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो दल वर्षों सत्ता में रहा आज भारत के संविधान के तहत परिकल्पित रचनात्मक विपक्ष की भूमिका नहीं निभा रहा है तथा लोकतांत्रिक मर्यादाओं का लगातार उल्लंघन कर रहा है। अपने राजनीतिक हित को साधने के लिए कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल झूठ और फरेब की राजनीति का सहारा ले रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन्हें न तो भारत के संविधान पर भरोसा है, न देश की जनता पर विश्वास है और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों में इनकी आस्था है। कांग्रेस एवं इसके सहयोगी दल परिवारवाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद की राजनीति में आकंठ डूबे हुए हैं तथा सिद्धांतहीन, अवसरवादी

एवं भ्रष्ट राजनीति का शिकार है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हर रचनात्मक कदम का विरोध कर, संसद से पारित कानूनों के रास्ते में रोड़ा अटकाकर तथा सड़कों पर भीड़तंत्र की राजनीति को बढ़ावा देकर वे देश के विकास की रफ्तार को रोकना चाहते हैं। यही कारण है कि कांग्रेसनीत विपक्ष लगातार जनता का विश्वास खोता जा रहा है।

एक ओर जहां पूरा राष्ट्र कोविड-19 वैश्विक महामारी का एकजुट होकर सामना कर रहा था, वहीं कुछ विपक्षी राजनैतिक दल झूठे प्रोपगेंडा एवं आधारहीन आरोपों के आधार पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेंकने का कुत्सित प्रयास कर रहे थे। जिस प्रकार से कांग्रेस एवं कई अन्य विपक्षी दलों ने भय, शंका एवं नकारात्मकता का वातावरण बनाकर राष्ट्र का मनोबल तोड़ने के प्रयत्न किए, उसे देश कभी भूल नहीं सकता। एक कठिन दौर में इन लोगों ने राष्ट्र की क्षमता को चुनौती दी तथा 'मेड इन इंडिया' टीकों पर झूठे प्रश्न खड़े किए। जब भी देश पर कोई संकट आया या राष्ट्रहित में कोई कार्य सिद्ध किए गए, कांग्रेस और इसके सहयोगियों ने प्रश्न खड़े किए। चाहे सेना द्वारा सर्जिकल स्ट्राइक का विषय हो, एयर स्ट्राइक का विषय हो या फिर सीमा पर भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम का क्षण हो, कांग्रेस एवं इसके सहयोगी हमेशा विपरीत ध्रुव पर खड़े दिखाई देते हैं। आज जब जांच एजेंसियों द्वारा कांग्रेस के अध्यक्ष एवं इसके पूर्व अध्यक्ष से पूछताछ की जाती है तो पूरी कांग्रेस सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करती है, यदि कोई राष्ट्रहित का विषय भी हो तो कांग्रेस पार्टी देश का ही विरोध करती नजर आती है। परिवारवाद-वंशवाद की राजनीति के कारण कांग्रेस आज सिद्धांतहीन, अवसरवादी एवं भ्रष्ट राजनीति की पर्याय बन गई है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जिस पार्टी के अंदर ही लोकतंत्र नहीं, वो लोकतंत्र की गरिमा नहीं समझ सकती। कांग्रेस स्वयं को हताशा में अपने विनाश की ओर धकेल रही है। हताशा एवं निराशा में कांग्रेस आज देश में विभाजनकारी तत्वों से मेलजोल कर 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' के साथ खड़ी दिखती है तथा देश में विष-वमन एवं कुप्रचार के माध्यम से भ्रम फैलाना चाहती है। जहां पाकिस्तान भारत के विरुद्ध अपने बयानों में कांग्रेस के नेताओं के वक्तव्यों का सहारा लेता है, वहीं कांग्रेस के नेता कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र का मामला बताने से भी नहीं कतराते हैं। इनके कई वक्तव्य दूसरे देशों को भारत के अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप करने को उकसाते

हैं तथा भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न खड़े करते हैं।

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कई विपक्ष-शासित राज्यों में 'आयुष्मान भारत' जैसी जन-केन्द्रित केन्द्रीय योजनाओं को या तो लागू नहीं किया जा रहा या उनके क्रियान्वयन में रोड़े अटकाए जा रहे हैं। आज सिद्धांतों एवं आदर्शों पर चलनेवाले राजनीतिक दलों के लिए भी परिवारवाद खतरा बना हुआ है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के कई राजनीतिक दल भी परिवारवाद, जातिवाद एवं क्षेत्रवाद की अलोकतांत्रिक राजनीति की भेंट चढ़ चुके हैं।

सशक्तीकरण और प्रतिनिधित्व: भारतीय गणतंत्र के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन

वर्ष 2017 में राष्ट्रपति पद के लिए श्री रामनाथ कोविंद का नामांकन और अब श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नामांकन से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने यह प्रमाणित कर दिया है कि भाजपा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सहित सभी कमजोर एवं पिछड़े समुदायों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व एवं सशक्तीकरण को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भाजपानीत एनडीए गठबंधन ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद का प्रत्याशी बनाकर देश की समस्त महिला एवं जनजातीय समाज का सम्मान किया है तथा सर्वसमावेशी राजनीति के सिद्धांत को सुदृढ़ किया है। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने जीवन में गरीबी एवं विपरीत परिस्थितियों से निरंतर संघर्ष करते हुए सार्वजनिक जीवन में कई दायित्वों का निर्वहन करते हुए गरीब, वंचित, पीड़ित एवं उपेक्षितों की सेवा कर समाज में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। वे नारी शक्ति की प्रतिबिंब तो हैं ही, साथ ही इस देश के दबे, कुचले एवं पीड़ित समाज का भी प्रतिनिधित्व करती हैं। उनके प्रशासनिक अनुभव, संवेदनशीलता एवं कार्यक्षमता से राष्ट्रपति पद निश्चित सुशोभित होगा।

भारतीय जनता पार्टी की यह राष्ट्रीय कार्यकारिणी देश के सभी राजनीतिक दलों एवं राष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल के सभी सदस्यों से अपील करती है कि वे एकजुट होकर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में मतदान करें तथा देश की पहली अनुसूचित जनजाति समाज की महिला को राष्ट्रपति पद को सुशोभित करने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। यह एक ऐतिहासिक अवसर है जब देश के

जनजाति समाज से एक महिला राष्ट्रपति चुनने का सौभाग्य हम सबको पहली बार प्राप्त हो रहा है। यह पूरे राष्ट्र के लिए एक गौरव का पल है। आइए, इस यज्ञ में हम सब अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।

सर्वसमावेशी शासन एवं गरीब कल्याण

हाल ही में देश भर में 'सामाजिक न्याय पखवाड़ा' मनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाज के गरीब से गरीब, शोषित, वंचित एवं उपेक्षित वर्गों की सेवा के प्रति अपने संकल्प को और भी अधिक सुदृढ़ किया है। भाजपा शुरू से ही 'अंत्योदय' के सिद्धांतों के प्रति समर्पित रही है और इस बात में इसका अटूट विश्वास है कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण के बिना देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अनेक अभिनव योजनाओं के माध्यम से गरीबों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आ रहा है। वंचित एवं उपेक्षित वर्गों के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल रहे हैं। महिला, युवा, अनुसूचित जनजातियों एवं अनुसूचित जातियों के नए अवसर मिल रहे हैं और हर व्यक्ति के लिए स्वाभिमान एवं न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है। भाजपा ने न केवल सेवा के संकल्प को और भी अधिक सुदृढ़ किया, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न स्तरों पर भागीदारी की।

पिछले आठ वर्षों में देशभर में बिजली, पेयजल, शौचालय, गैस सिलेंडर, बैंक खाता और मोबाइल फोन समाज के हर वर्ग की पहुंच में आ गए हैं, जिससे लोगों के जीवनस्तर में भारी सुधार हुआ है। कोविड-19 वैश्विक महामारी के बीच देश में अत्यधिक गरीबी में कमी मोदी सरकार के गरीब कल्याण कार्यक्रमों की उपलब्धियों का द्योतक है। उज्ज्वला, जनधन, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना, सॉइल हेल्थ कार्ड, नीम कोटिड यूरिया, लागत से डेढ़ गुणा एमएसपी, एमएसपी के अंदर रिकार्ड खरीदी एवं अनेक नए फसलों को एमएसपी के दायरे में लाना, गरीब कल्याण रोजगार योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन जैसी अनेक योजनाएं आज गरीब से गरीब के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला रही हैं। इन योजनाओं से महिला, युवा, किसान, मजदूर, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अन्य वंचित-पीड़ित एवं कमजोर वर्गों का सशक्तीकरण हुआ है।

भारत की उपलब्धियों को यदि पिछले दो वर्षों के कोविड-19 महामारी के संदर्भ में यदि देखें; जबकि वैश्विक स्तर पर कई समस्याएं खड़ी हुईं; तब यह उपलब्धियां अद्भुत एवं अभूतपूर्व लगती हैं। यह एक ऐसा चुनौतीपूर्ण दौर रहा जिसका सामना करना अत्यंत दुष्कर प्रतीत होता था। ऐसी विकट परिस्थितियों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत एवं दृढ़-निश्चयी नेतृत्व में देश ने हर चुनौती को अवसर में बदला तथा कई जरूरतमंद देशों के कठिन समय में उनका सहयोग किया। इस वैश्विक महामारी पर विजय प्राप्त करने के भारत के दृढ़ संकल्प का साक्षात्कार पूरे विश्व ने किया, जब देश में 'मेड-इन-इंडिया' टीकों का निर्माण रिकॉर्ड समय में किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि विश्व के सबसे व्यापक एवं तेज टीकाकरण अभियान के अंतर्गत भारत जैसी विशाल जनसंख्यावाले देश के 95 प्रतिशत से अधिक पात्र नागरिकों को टीके की कम-से-कम एक खुराक दी जा चुकी है। जहां कांग्रेसनीत विपक्ष यह दावा कर रहा था कि पूरे देश में 15 वर्षों में भी टीकाकरण पूर्ण नहीं हो सकता, वहां मात्र डेढ़ वर्षों में लगभग 200 करोड़ टीकों की खुराक देकर देश ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इतना ही नहीं, इन टीकों को कई अन्य जरूरतमंद देशों को उपलब्ध कराकर आज इस महामारी के विरुद्ध लड़ाई में भारत एक अग्रणी भूमिका में है। पिछले दो वर्षों से निःशुल्क राशन, निःशुल्क टीका, समाज के कमजोर वर्गों को सहायता एवं राहत, भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा 'सेवा ही संगठन' अभियान के माध्यम से देशभर में व्यापक जनसेवा, चिकित्सकों, नर्सों, चिकित्साकर्मियों, प्रशासनकर्मियों एवं कोरोना योद्धाओं द्वारा समाज की निःस्वार्थ सेवा, आत्मनिर्भर भारत का आह्वान एवं इस वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए असंख्य अभिनव एवं मजबूत पहल से जन-जन का विश्वास प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व कौशल एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की निःस्वार्थ सेवा पर और भी अधिक सुदृढ़ हुआ है। आज देश की जनता का इन उपलब्धियों से न केवल मस्तक ऊंचा हुआ है, बल्कि वे देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति भी पूरी तरह से आश्वस्त हैं।

विश्व पटल पर उभरा भारत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की हाल की जर्मनी, डेनमार्क, फ्रांस, जापान एवं

यूएई की यात्रा, भारत-नॉर्डिक सम्मेलन, क्वाड तथा जी-7 में लिए गए निर्णय से संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं। साथ ही, इन यात्राओं से भारत के नए क्षेत्रों में भागीदारी के लिए सक्रिय प्रयासों का परिणाम भी सामने आया। भारत की विदेश नीति में प्रवाहित होती यह नई ऊर्जा देश के वैश्विक दायित्वों के निर्वहन करने की तत्परता एवं विभिन्न देशों के साथ बहुस्तरीय भागीदारी में परिलक्षित हो रही है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में उदय हो रहे एक नए भारत का उद्घोष है जो 'शीत युद्ध' के साये से बाहर निकल चुका है और बिना किसी हिचक के हर देश से सकारात्मक संबंध बनाने को प्रयासरत है। यूरोपीय देशों के साथ भागीदारी से आनेवाले दिनों में भारत के लिए संभावनाओं के अनेक द्वार खुलेंगे तथा भागीदारी करने वाले देशों की भी अनेक आवश्यकताएं पूरी होंगी।

कोविड-19 वैश्विक महामारी के पिछले दो वर्ष के दौरान भारत विश्व के एक अग्रणी देश के रूप में उभरा है। भारत ने न केवल इस महामारी की चुनौतियों का दृढ़तापूर्वक सामना किया, बल्कि अन्य देशों को भी उनके संकट के समय में दवाइयां, पीपीई किट ऑक्सीजन, कोविड-रोधी टीके एवं अन्य चिकित्सकीय उपकरण उपलब्ध कराकर सहायता की। जिस प्रकार से रूस-यूक्रेन युद्ध का समाधान निकालने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से विश्व के अनेक नेताओं ने अपील की तथा दोनों देशों से कुछ समय के युद्धविराम की छूट प्राप्त कर युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों को निकाला गया, उससे अंतरराष्ट्रीय पटल पर भारत के बढ़ते हुए कद का आभास होता है। कोविड-19 महामारी के दौरान, युद्ध या प्राकृतिक आपदा के दौरान सहायता के अलावा, भारत ने कॉप-26 में जलवायु परिवर्तन पर पांच प्रतिबद्धताओं पर भी तेजी से कार्य करना प्रारंभ कर दिया है। भारत की पहल पर 'अंतरराष्ट्रीय सौर संगठन' की स्थापना की पूरे विश्व में भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुदृढ़ नेतृत्व में भारत आज वैश्विक दायित्वों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है और पूरे विश्व के लिए आशा की एक नई किरण बनकर उभर रहा है। पूरे विश्व में भारत की साख बढ़ी है तथा विदेश में बसे भारतवंशियों का गौरव बढ़ा है एवं वो देश से जुड़ा महसूस कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन देशों के साथ हुए समझौतों से यूरोप, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया एवं जी-7 के अन्य देशों के साथ भारत

की एक लंबी भागीदारी की शुरुआत हुई है तथा संभावनाओं के नए द्वार खुले हैं।

'नए भारत' का संकल्प

पिछले 8 वर्षों में भारत ने न केवल लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं को निर्णायक रूप से हल किया है, बल्कि 21वीं सदी में अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए अनेक ऐतिहासिक सुधार भी किए हैं। कांग्रेसनीत यूपीए के कुशासन, भ्रष्टाचार, घपलों एवं घोटालों को देश आज भी भूला नहीं है। यह वह दौर था जब हर दिन कोई न कोई घोटाला समाचार-पत्रों की सुर्खियां बना रहता था और 'पॉलिसी पैरालिसिस' जैसे शब्द सरकार के शब्दकोश की पहचान बन गए थे। एक दिशाहीन एवं नेतृत्वविहीन सरकार केंद्र में थी। पूरे देश में निराशा एवं हताशा का वातावरण था। ऐसे समय में पूरे देश ने श्री नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में स्पष्ट जनादेश दिया। आज, आठ वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में देश में एक नई कार्य-संस्कृति का शुभारंभ हुआ है जिसके कारण भ्रष्टाचारमुक्त, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन आज जन-जन को प्राप्त हो रहा है।

प्रधानमंत्रीजी के अथक प्रयासों के कारण आज 'प्रगति' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से देश में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की निरंतर समीक्षा करते हुए उनको गति दी जा रही है तथा वर्षों से लटकी परियोजनाओं को पूर्ण किया जा रहा है। पिछली सरकारों की कार्यशैली से विपरीत कई परियोजनाएं अपने निर्धारित समय से पूर्व ही पूरी की गई हैं। इसका परिणाम हम वर्षों से लटकी बोगीबील ब्रिज, ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, अटल टनल जैसी परियोजनाओं के त्वरित निष्पादन में देख सकते हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरा किया गया। देश में विकास एवं सुशासन जन-जन को सुलभ हो इसके लिए सभी मुख्यमंत्रियों से निरंतर संवाद कर 'सहकारी संघवाद' की अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। इसका सबसे प्रभावी परिणाम कोरोना महामारी को देशभर में नियंत्रित करने में मिली सफलता के रूप में देखा जा सकता है। यहां तक की पद्म पुरस्कारों का भी पूरी तरह से लोकतंत्रीकरण किया गया है तथा पूरे देश में छिपी हुई प्रतिभाओं एवं देशहित में अनूठे कार्य करने वालों को चिन्हित कर उन्हें सम्मानित किया गया है।

नए भारत की नई कार्य-संस्कृति का ही परिणाम रहा कि भारत ने जीएसटी

जैसे बड़े कर सुधार को अपनाया। विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए आज जीएसटी परिषद हर निर्णय सर्वसम्मति से लेकर स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा का पूरे विश्व में उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। आज जीएसटी को देश की जनता ने भी पूरी तरह से अपनाया है, जिसका परिणाम हम हर महीने रिकॉर्ड कर संग्रह में देख सकते हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है, जनता को कई प्रकार के करों के जंजाल से मुक्ति मिली है और अंतर्राज्यीय व्यापार सुगम हुआ है। इसके अंतर्गत कोविड-19 महामारी के दौरान भी राज्यों को जीएसटी की क्षतिपूर्ति राशि का केंद्र द्वारा निरंतर भुगतान किया गया है। धारा 370 को हटाने, नागरिकता संशोधन अधिनियम पारित करने, तीन तलाक पर कड़े कानून बनाने, वन रैंक-वन पेंशन लागू करने, राष्ट्रीय समर स्मारक तथा राष्ट्रीय पुलिस स्मारक की स्थापना, बोड़ो एवं ब्रू-रियांग समझौते जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णयों के साथ-साथ प्रधानमंत्री गतिशक्ति, पीएलआई, हरित हाइड्रोजन, जैविक खेती को प्रोत्साहन, कार्य-संस्कृति में सुधार, डिजिटल इंडिया मिशन, खेलकूद को विशेष प्रोत्साहन देने के लिए खेलो इंडिया एवं अग्निपथ जैसे अनेक सुधार कार्यक्रमों से एक नए भारत का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

आह्वान

आज जबकि आत्मविश्वास से भरे एक ऐसे देश का उदय हो रहा है जिसके मन में 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प है, हर ओर एक नई प्रकार की ऊर्जा देखी जा सकती है। एक ऐसा भारत जो कोविड-19 वैश्विक महामारी की चुनौतियों का न केवल सफलतापूर्वक सामना करता है, बल्कि अन्य देशों को इस कठिन घड़ी में सहायता भी करता है, एक 'नए भारत' की शक्ति को दर्शाता है। एक भारत जो कोविड-रोधी टीकों का निर्माण कर सकता है, जो हर महामारी में चुनौती को विभिन्न सुधारों के माध्यम से अवसर में बदल सकता है जो पिछले दो वर्षों से 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन दे सकता है, महामारी में समाज के कमजोर वर्गों की चिंता कर सकता है और हर व्यक्ति को निःशुल्क टीका दे सकता है। यह भारत आज से मात्र आठ वर्ष पूर्व यूपीए के कुशासन के दौर में असंभव दिखता था। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कुशल नेतृत्व है जिसने करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं देशभर में जन-जन को निःस्वार्थ राष्ट्र सेवा के लिए अपने अथक प्रयासों एवं

स्वयं के उदाहरण से प्रेरित किया, उसके कारण ही संभव हो पाया है। आज एक ऐसे भारत का उदय हुआ है जो अब किसी क्षेत्र में पिछड़ता नहीं, बल्कि हर कार्य को लक्ष्य कर समय से पहले पूर्ण कर लेता है। आज जब भारत अपनी आंतरिक शक्ति को पहचान रहा है, 'आत्मनिर्भर भारत' का लक्ष्य अब दूर नहीं है।

महाराष्ट्र के विकास एवं जनता के कल्याण के लिए भारतीय जनता पार्टी ने श्री एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में समर्थन दिया है तथा भाजपा की ओर से श्री देवेन्द्र फडणवीस ने उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। प्रदेश में 'महाविकास अघाड़ी' के अवसरवादी एवं सिद्धांतहीन गठजोड़ के कारण महाराष्ट्र का विकास अवरुद्ध हुआ तथा जनता को भारी भ्रष्टाचार एवं कुशासन का सामना करना पड़ रहा था। इस कदम ने एक बार पुनः प्रमाणित कर दिया है कि भाजपा पद की नहीं, बल्कि जनसेवा एवं जनकल्याण की राजनीति करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महाराष्ट्र की जनता की सेवा के परम लक्ष्य के साथ हम पुनः प्रदेश को विकास एवं सुशासन के मार्ग पर तीव्र गति से आगे ले जाएंगे।

स्वतंत्रता के पश्चात् भाजपा एकमात्र ऐसे दल के रूप में उभरी, जिसने लोकतंत्र एवं जनहित में अनेक सुधारों की मांग एवं उनका समर्थन किया तथा शासन में आने पर इन्हें कार्यान्वित किया, ताकि देश की लोकतांत्रिक पद्धतियां और भी अधिक सुदृढ़ हो सकें। एक ऐसे राजनैतिक दल के रूप में जो देश के गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेता हो, भाजपा देश में सुदृढ़ अवसंरचना, युवाओं के लिए अपार संभावनाएं एवं भविष्योन्मुखी नीतियों के माध्यम से हर क्षेत्र के विकास के साथ 21वीं सदी का भारत बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। आज देश भारतीय जनता पार्टी की सकारात्मक राजनीति के साथ आगे बढ़ रहा है तथा कांग्रेसनीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को चुनाव दर चुनाव पराजित कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी देश की महान जनता से यह आह्वान करती है कि वह परिवारवाद-वंशवाद, जातिवाद एवं क्षेत्रवाद की विभाजनकारी, अवसरवादी, सिद्धांतहीन एवं भ्रष्ट राजनीति को पूरी तरह से परास्त करे और विकास, सुशासन एवं 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंस' को और भी अधिक सुदृढ़ करते हुए सर्वसमावेशी एवं गरीब कल्याण की राजनीति के पक्ष में एकजुट हो। ■

❑❑❑

हम गरीबों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं: श्री राजनाथ सिंह

केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह द्वारा 02 जुलाई, 2022 को हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 'आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प प्रस्ताव' प्रस्तुत करने के समय व्यक्त किए गए विचार के मुख्यांश:

सरकार बनने के पहले दिन से ही हमारी सभी आर्थिक नीतियां गरीब कल्याण पर केन्द्रित थीं। 15 अगस्त, 2014 को जब प्रधानमंत्रीजी ने लालकिले से अपना पहला भाषण दिया था तब जन-धन योजना, स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ—बेटी पढ़ाओ जैसे संकल्प, गरीब कल्याण के उद्देश्य से प्रेरित थे। वहीं से आगे बढ़कर विश्व का सबसे बड़ा 'फाइनेंशियल-इन्क्लुजन' हुआ। डीबीटी के माध्यम से करोड़ों नागरिकों को वास्तविक शक्ति मिली। वही भाव मुद्रा योजना में 34 करोड़ लाभार्थियों को स्वावलंबी बनाने में दिखा, वही भाव कोविड काल में 80 करोड़ जरूरतमंदों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने एवं सभी गरीबों को मुफ्त में कोविड का टीका लगवाने में भी दिखाई दिया।

आज भारत रक्षा क्षेत्र में निर्यात के मामले में दुनिया के शीर्ष 25 देशों की सूची में आ गया है। आज भारत राइफल ही नहीं बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल भी निर्यात करने की स्थिति में पहुंच गया है। फिलिपीन ने पहला आर्डर बुक किया है।

हमारी सरकार में इंटरनेशनल सोलर अलायंस बनवाया और उसका मुख्यालय गुरुग्राम में होगा और इसकी कल्पना पिछली सरकारों में नहीं थी। भारत को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की लम्बी छलांग लगाने के लिए हम सभी तैयार हैं।

मोदीजी ने पिछले आठ वर्षों में देश के आर्थिक विकास के लिए अनेक रिफ़ॉर्म और प्रयास किये हैं। कई जगह स्ट्रक्चरल रिफ़ॉर्म भी किया है। अभी 1 जुलाई को ही आजाद भारत के एक बड़े इकॉनोमिक रिफ़ॉर्म जीएसटी को पांच वर्ष हुए।

जीएसटी व्यवस्था का फायदा यह भी हुआ है कि जहां पहले देश की अधिकांश वस्तुओं पर 31 फीसदी से ज्यादा टैक्स था, वहीं आज देश की सबसे ज्यादा टैक्स दर 28 फ़ीसदी है। पहली बार डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन से ज्यादा हुआ है।

कोविड संकट के दौरान जब अचानक ऑक्सीजन की कमी होनी शुरू हुई तो प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व में देश के लोगों ने उसका समाधान किया और भारत ने संकल्प लिया कि हम सभी देशवासियों को कोविड की वैक्सीन लगाएंगे और यह वैक्सीन भी अपने देश में बनाएंगे। वे कहते थे कि 130 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने में दसियों वर्ष लग जाएंगे, लेकिन आज वैक्सीन लग रही है। भविष्य की किसी भी चुनौती के लिए भारत आज पूरी तरह से तैयार है। भारत ने न सिर्फ अपने देश के नागरिकों को, बल्कि दुनिया के 100 देशों को भी वैक्सीन निर्यात करने का काम किया।

आपको याद होगा जब कोविड का संकट आया तब हमारे सामने सबसे बड़ी समस्या रिवाइवल की थी। हमारे प्रधानमंत्रीजी ने देश के नागरिकों को इसके लिए तैयार किया और 'आत्मनिर्भर भारत' योजना के तहत 20 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज दिया इसके अलावा भी अन्य पैकेज दिए गए। इसका असर हुआ कि जो 2021 में जीडीपी ग्रोथ रेट -6.6 प्रतिशत था, नेगेटिव था, वह 2022 में बढ़कर लगभग 8 फ़ीसदी के आसपास पहुंच गयी है।

पिछले 8 वर्षों में 440 बिलियन डॉलर का एफडीआई भारत में आया है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। वर्ष 2021-22 में ही 83.5 बिलियन डॉलर का एफडीआई भारत में आया है जो आजाद भारत में एक साल में आए एफडीआई का रिकार्ड है।

हम गरीबों को बेहतर जीवन स्तर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब माता-बहनों की आंसू पोछे गये हैं। आज भारत में 99% घरों में रसोई गैस का कनेक्शन पहुंच चुका है। इससे जहां गरीब माताओं-बहनों की जिन्दगी आसान हुई है वहीं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी यह बड़ा कदम है। 'आयुष्मान भारत योजना' के बारे में भी आप सभी अच्छे से जानते हैं। 'जल जीवन मिशन' के बारे में भी जानते हैं। हमारी सरकार का यह संकल्प है कि 'हर घर में नल' होगा और हर 'नल में शुद्ध जल' होगा।

जनधन के माध्यम से 46 करोड़ खुले खातों में से आधे से अधिक तो गरीब माताओं-बहनों के हैं। जब कोविड का संकटकाल था जब 31 हजार करोड़ रुपए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के द्वारा उन तक सीधा पहुंचा। पहले ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जरूरत पड़ने पर महिलाएं पुरुषों से पैसा मांगती थीं, लेकिन हमारे प्रधानमंत्रीजी ने ऐसे हालात कर दिए कि अब पुरुषों को महिलाओं से पैसे मांगने पड़ते हैं।

कोविड के दौरान ही भारत 'डिजिटल रेवोल्यूशन' भी परवान चढ़ गया। कभी केवल कैश पर निर्भर रहनेवाला भारत आज केवल एक महीने में 6 बिलियन डिजिटल ट्रांजेक्शन कर रहा है। लगभग दस ट्रिलियन रुपये का लेनदेन कर रहा है।

भारत में जमीनी स्तर तक उद्यमिता को बढ़ाना देने के लिए पिछले आठ साल में बहुत प्रभावी तरीके से काम हुआ है। 'प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना' के अंतर्गत करीब 32 लाख स्ट्रीट वेंडर यानी 31.9 लाख को कर्ज की सुविधा दी गई। एससी/एसटी और महिलाओं को स्टैंडअप योजना के माध्यम से करीब 30 हजार करोड़ रुपये ऋण दिए गये। आप सब मुद्रा योजना से परिचित हैं। पैंतीस करोड़ उद्यमियों में आठ लाख करोड़ रुपये का ऋण मुद्रा योजना के अंतर्गत लिया है। जिसमें दो-तिहाई से अधिक लोन महिलाओं-पिछड़े वर्ग, अन्य पिछड़े वर्ग के लोगों ने लिया है। इसमें 68% महिलाएं हैं जिसके परिणामस्वरूप देश में रोजगार के अवसर बढ़े हैं और एक इंटरप्राइज फ्रेंडली वातावरण का निर्माण हुआ है।

आप कल्पना कीजिये जिस भारत में 2014 में बमुश्किल 400-500 स्टार्टअप थे वो आठ वर्षों में बढ़कर सत्तर हजार हो गए है और इनमें से सौ ऐसी कम्पनियां हैं जिनकी वैल्यूएशन 1 बिलियन डॉलर से अधिक है और दुनियाभर में 'यूनिकॉर्न' के रूप में जाने जाते हैं। ■

❑❑❑

भारत को हर क्षेत्र में विश्व में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जाना है: श्री अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा 03 जुलाई, 2022 को हैदराबाद (तेलंगाना) में आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में 'राजनीतिक प्रस्ताव' प्रस्तुत करने के समय दिए गए वक्तव्य के मुख्यांश—

देश की राजनीतिक परिस्थिति के अन्दर बहुत बड़ा परिवर्तन 2014 के बाद आया है। बहुत समय के बाद एक पूर्ण बहुमत, दो-तिहाई बहुमतवाली सरकार आई। 30 साल के बाद एक स्थायी सरकार देश को मिली, वो मोदीजी के नेतृत्व में मिली।

हमने एक निर्णायक सरकार दी है, कठोर फैसले लेने वाली सरकार दी है। इस सरकार के फैसले कभी जनता को खुश करने के लिए नहीं हुए। इस सरकार के फैसले ऐसे होते हैं कि जनता को अच्छे लगे ऐसे फैसले नहीं होते हैं बल्कि जनता के लिए अच्छे हों, ऐसे फैसले होते हैं।

देश की राजनीति का परिदृश्य बदला है, देश की राजनीतिक के मानक भी बदलने का काम इन आठों सालों में हुआ है।

2019 का जनमत और उसके बाद हुए देश के चुनावों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस देश के लोकतंत्र के अंदर परिवारवादी पार्टियों का कोई स्थान नहीं है। परिवारवादी पार्टियों को देश की जनता ने नकार दिया है।

आठ साल के मोदीजी के शासन ने यह तय किया है कि जिनके अंदर क्षमता है वही नेतृत्व करेंगे, जिनके अंदर देश के प्रति निष्ठा है वही नेतृत्व करेंगे और जिनमें 'विजन' के साथ देश को आगे ले जाने का माद्दा है, वही नेतृत्व करेंगे।

देश में एक भी परिवार ऐसा नहीं है जिसके पास बैंक अकाउंट न हो। हर गरीब को घर देने का संकल्प हमने लिया है और हर गरीब को घर देने की योजना बन चुकी है। हर घर में बिजली पहुंचाने का काम समाप्त हो गया है, हर घर में शौचालय पहुंचाने का काम समाप्त हो गया है। 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान

भारत योजना के तहत पांच लाख तक का सारा स्वास्थ्य का खर्चा 'फ्री ऑफ कॉस्ट' नरेन्द्र मोदी सरकार दे रही है।

2019 में मोदीजी ने दोबारा जनादेश मिलने के साथ ही एक रामजन्मभूमि ट्रस्ट का निर्माण किया और आज द्रुत गति से मंदिर बन रहा है।

मोदीजी ने चुपचाप 80 करोड़ लोगों को दो साल तक प्रति व्यक्ति, प्रति माह पांच किलो अनाज 'फ्री आफ कॉस्ट' देने का एक ऐतिहासिक निर्णय किया। विश्व भर में इतनी बड़ी जनसंख्या को अनाज इतनी सरलता से, पांच किलो अनाज दो साल तक पहुंचाने का काम नहीं हुआ है।

देश की सुरक्षा की दृष्टि में 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 'एयर स्ट्राइक' ने न केवल हमारी सेनाओं का हौसला बढ़ाया है बल्कि 130 करोड़ की जनता को गौरव के साथ अमेरिका और इजरायल के एक समान पद पर रखने का काम नरेन्द्र मोदीजी के इस फैसले ने किया है। 'वन रैंक, वन पेंशन' का फैसला कोई सरकारें नहीं ले पाती थीं, हमने लिया है।

'ऑपरेशन गंगा' के माध्यम से यूक्रेन से 22,500 लोगों को वापिस लाए। 'आपरेशन राहत' के माध्यम से यमन से 5000 लोगों को वापिस लाए। 'वंदे भारत मिशन' के तहत 1 करोड़ 83 लाख लोगों को कोरोना काल में, जो लोग विदेशों में फंसे हुए थे उनको चुपचाप वापिस लाने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। देश की आंतरिक सुरक्षा में भी वामपंथी उग्रवाद में 80 प्रतिशत कमी हुई है।

बोडोलैण्ड का समाधान हो चुका है। ब्रू-रियांग समझौता हो चुका है, कॉर्बी-आंगलांग समझौता हो चुका है। 'अफस्पा' 60 प्रतिशत हिस्से से हम हटा पाए हैं और लगभग 2014 से अब तक 6 हजार से ज्यादा उग्रवादियों ने अपने हथियार डालकर मेनस्ट्रीम में आने का फैसला किया है।

मोदीजी ने 5 अगस्त 2019 को हमारी तीन पीढ़ी के स्वप्न को पूरा कर दिया और कश्मीर से धारा 370 और 35ए को हटाया और लोकतंत्र को नीचे तक पहुंचाया और आतंकवाद पर एक निर्णायक प्रभुत्व कायम करने का काम भी मोदीजी ने किया।

अब तक व्यापारिक वस्तुओं का निर्यात 421 बिलियन डॉलर का हुआ है। यह एक रिकार्ड है और अब भारत उत्पादन का 'हब' बनने जा रहा है। सेवा का

निर्यात 254 बिलियन डॉलर का हुआ है। अब तक का सबसे ज्यादा एफ.डी.आई. वर्ष 2022-23 में 83 बिलियन डॉलर का आया है। 70 हजार से ज्यादा 'स्टार्ट-अप्स' हुए है। इसमें से 45 प्रतिशत स्टार्ट-अप्स महिलाओं ने शुरू किए है। यह बहुत ही उल्लेखनीय है। उनमें से 100 स्टार्ट-अप्स 'यूनिकार्न' है। 'जेम' के माध्यम से भ्रष्टाचार कम करना और पारदर्शिता लाना। लगभग 2.5 लाख करोड़ की खरीदी अब तक जेम के माध्यम से भ्रष्टाचार रहित करने का काम किया है। डी.बी.टी. के माध्यम से भी भ्रष्टाचार कम किया है। 22 लाख करोड़ रूपया डी.बी.टी. के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया है।

भारतीय जनता पार्टी को मोदीजी के शासन में दो राष्ट्रपति तय करने का मौका मिला। एक हमने दलित किया और दूसरा आदिवासी महिला को बिठाने का काम किया।

सुप्रीम कोर्ट में एक जजमेंट आया है कि 2002 के दंगों के बाद हमारे प्रिय नेता नरेन्द्र मोदीजी पर जो आरोप लगाए थे वह सरासर झूठ थे और राजनीति से प्रेरित थे।

आजादी के अमृत्व महोत्सव का कार्यक्रम माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने दिया है। आजादी के अमृत महोत्सव के तीन मुख्य बिंदु मोदीजी ने हमारे सामने रखे हैं। आजादी दिलाने के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया है वैसे नामी-अनामी सभी शहीदों को सादर स्वतंत्रतासेनानियों को उनके जीवन को, उनके कर्तृत्वों को फिर से पुनर्जीवित करके युवा पीढ़ी से प्रेरणा ले और भारत के लिए जीने का संकल्प करे। इस प्रकार से आजादी का अमृत्व महोत्सव मनाया जाए। दूसरा, आजादी से अब तक 75 वर्ष में हर सरकार ने कुछ न कुछ अच्छा किया है, हर क्षेत्र में भारत ने जो किया है उसको गौरव के साथ दुनिया के सामने रखा जाए। और तीसरा, 75 वर्ष से 100 वर्ष का जो कालखंड है उस कालखंड को 'अमृतकाल' मानकर भारत को हर क्षेत्र में विश्व में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जाने का संकल्प लेना और ये अमृतकाल को संकल्प-सिद्धि का काल मनाकर देखना। ■

❑❑❑

देश ने बरसों बाद एक निर्णायक नेतृत्व देखा: श्री पीयूष गोयल

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्रस्तुत 'आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प प्रस्ताव' का अनुमोदन करते हुए राज्यसभा में सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल द्वारा दिए गए वक्तव्य के मुख्यांश—

- 2014 तक देश के सामने दो रास्ते थे, एक 'बैंडेज-सॉल्यूशन', तुरंत कुछ करके लोगों को दिलासा दिया जाए कि हां चीजें ठीक हो गई हैं। दूसरा यह कि मूलभूत परिवर्तन करके देश को आगे आनेवाले कई वर्षों के लिए तैयार किया जा सके।
- माननीय प्रधानमंत्रीजी हर समस्या का जड़ से समाधान निकालना चाहते हैं। वे मूलभूत परिवर्तन करके देश को आगे आनेवाले कई वर्षों के लिए तैयार करना चाहते हैं।
- देश ने बरसों बाद एक निर्णायक नेतृत्व देखा है। हर कार्य को परिणाम आधारित बनाना, हम जो कार्य करेंगे उसका परिणाम क्या होगा। परिणाम का लाभ वास्तव में जनता तक पहुंचेगा या नहीं, परिणाम की निगरानी करते रहना, यानी 'मॉनिटरिंग' भी हो और उसकी 'रिस्पांसिबिलिटी' भी तय हो।
- अगर डिजिटल टेक्नोलॉजी गांव-गांव तक नहीं पहुंचाई गई होती, लोगों के हाथों तक मोबाइल की पहुंच न होती तो कोविड महामारी का सामना करना असंभव होता, नामुमकिन होता।
- कभी किसी को ख्याल आया कि इलेक्ट्रिक कार जो प्रदूषण रहित हो उसका नेतृत्व भारत करे। इतना ही नहीं इन टेक्नोलॉजी के कारण आज 400 से अधिक योजनाएं डीबीटी के माध्यम से सीधे जनता तक पहुंच रही हैं।
- आज हम हर वर्ष नया रिकॉर्ड बना रहे हैं, 50 लाख करोड़ का एक्सपोर्ट पिछले वर्ष तक, यह एक्सपोर्ट अपने से नहीं हुआ बल्कि इसके पीछे प्रधानमंत्रीजी पड़े रहे।
- आनेवाले समय में जी-20 की अध्यक्षता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत करेगा। कैसे भारत विकासशील और कम विकसित देशों की आवाज बनें, किसानों की चिंता करें, मछुआरों की चिंता करें, कैसे सूक्ष्म और लघु उद्योगों एवं हमारे छोटे उद्यमियों की चिंता करें, हर वैश्विक मंच पर हमारा मार्गदर्शन प्रधानमंत्रीजी ने किया। ■

❑❑❑

सामाजिक सुरक्षा में अभूतपूर्व काम: श्री मनोहर लाल खट्टर

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्रस्तुत 'आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प प्रस्ताव' का अनुमोदन करते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा दिए गए वक्तव्य के मुख्यांश—

- केंद्रीय योजनाएं जिनका उल्लेख किया गया, उज्ज्वला योजना हो, आयुष्मान भारत हो, किसान सम्मान निधि हो, जन-धन योजना हो, मुद्रा योजना हो, निवेश की बात हो, रोजगार की बात हो; ये सब आगे बढ़ी हैं।
- साथ ही प्रधानमंत्रीजी की सोच 'अंत्योदय' की सोच है, यह सोच केवल व्यक्ति और परिवार तक सीमित नहीं है बल्कि अंतिम पंक्ति में खड़े प्रत्येक जन का विकास हो इस पर बल है।
- क्षेत्र का विचार करें तो कोई क्षेत्र पीछे रह गया, उसके उपर विशेष ध्यान कैसे देना चाहिए। जैसे उदाहरण के लिए देश के 112 जिले चिन्हित किए गए जो सामान्यतया मुख्यधारा से पीछे रह गए थे। भारत सरकार की तरफ से 'एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम' की शुरुआत की गई थी। इसके लिए पूरे देश से 112 जिलों को चुना गया, जो पिछड़े हुए थे यानी जो सही से विकास नहीं कर सके थे। इन जिलों को बेहतर बनाने के लिए ही एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम की शुरुआत की गई।
- हम लोगों ने सामाजिक सुरक्षा में अभूतपूर्व काम किये हैं। इसमें भी परिवार पहचान-पत्र का लाभ उठाते हुए हरियाणा वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति माह 2500 रुपये की राशि दी जाएगी।
- हरियाणा वृद्धजन पेंशन योजना के तहत प्राप्त पेंशन राशि का उपयोग करके वृद्धजन बुढ़ापे में अच्छी तरह से जीवन-यापन कर सकेंगे। इस योजना के तहत सरकार का लक्ष्य राज्य के बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाना है। ■

❑❑❑

थ्री-ई– एजुकेशन, एम्प्लॉयमेंट एंड एम्पावरमेंट से सशक्तीकरण: श्री बसवराज बोम्माई

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्रस्तुत 'राजनीतिक प्रस्ताव' का अनुमोदन करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज सोमप्पा बोम्माई द्वारा दिए गए वक्तव्य के मुख्यांश—

- भारतीय जनता पार्टी और हमारे नेता श्री नरेन्द्र मोदी ने 'गुड-गवर्नेंस' भी किया है और 'गुड-पॉलिटिक्स' भी किया है। 'पीपुल्स-पॉलिटिक्स' भी किया है। जो पिछड़े थे, दलित थे उनके लिए मान और सम्मान सिर्फ एजुकेशन एम्प्लॉयमेंट और एम्पावरमेंट से ही मिलता है। श्री नरेन्द्र मोदीजी ने थ्री-ई एजुकेशन, एम्पलायमेंट एंड एम्पावरमेंट, इनको लेकर उनको मौका दिया।
- जो 'पार्ट', मुख्यधारा से अलग था वहां एक तरफ से मिलिटेंसी बहुत दिनों से चल रहा था। उसको अभी खत्म किया है। पूरे नॉर्थ-ईस्ट के आम लोग अभी मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। यह 'मोदी पॉलिटिक्स' के कारण हुआ है।
- दक्षिण भारत की राजनीति में कर्नाटक में हमारा 'फुट-होल्ड' है। 2023 में चुनाव आ रहा है। मैं नरेन्द्र मोदीजी के आशीर्वाद से भारतीय जनता पार्टी की और श्री नड्डाजी के मार्गदर्शन में यकीन दिलाना चाहता हूं कि 2023 में हम 'प्रो-इन्कम्बंसी' को लेकर फिर से सत्ता में आएंगे और लोगों का काम करेंगे।
- ये जो ऑपोजिशन है खासकर ये साउथ इंडिया में बहुत ही 'Delusive politics' कर रहे हैं। उनको मालूम है वे श्री नरेन्द्र मोदीजी की छवि से नहीं लड़ सकते, ना ही भाजपा की संगठन शक्ति एवं मोदी सरकार की लोककल्याणकारी कार्यों से लड़ सकते हैं, इसलिए उन्होंने 'Delusive politics' चालू किया है। देशभर में किया है।
- 'इकोनॉमिक डेवलपमेंट' को मोदीजी द्वारा देखने की अलग दृष्टि है। 'इकोनॉमिक डेवलपमेंट' मतलब जो पिरामिड के सबसे नीचे हैं, जो जमीन पर काम करते हैं, उनका विकास। ■

❑❑❑

भाजपा सभी वर्गों की पार्टी: श्री हिमंता बिस्वा सरमा

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में प्रस्तुत 'राजनीतिक प्रस्ताव' का अनुमोदन करते हुए असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा सरमा द्वारा दिए गए वक्तव्य के मुख्यांश—

- हमने मिजोरम प्रदेश के अध्यक्ष वनलालमुआका जी का भाषण सुना। भाषण में उन्होंने बोला कि मिजोरम में मारा ऑटोनॉमस काउंसिल है, वहां भारतीय जनता पार्टी की जीत हुई है। बहुत सारे लोगों को मालूम भी नहीं होगा कि मारा कहां है।
- अरुणाचल में हमारी सरकार दोबारा आती है, लगभग 30 प्रतिशत मतदाता क्रिश्चियन हैं। मणिपुर में हमारी दोबारा सरकार आती है वहां लगभग 40 प्रतिशत क्रिश्चियन हैं। थोड़े दिन ही पहले असम में एक ऑटोनॉमस काउंसिल का इलेक्शन हुआ था। सभी की सभी सीटें भारतीय जनता पार्टी को मिलीं। वहां भी 35 प्रतिशत क्रिश्चियन हैं।
- आज भारतीय जनता पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में उस बंधन को तोड़ा है जिसको लेकर पहले लोग कहते थे कि भाजपा केवल हिंदुओं की पार्टी है, आज भाजपा 130 करोड़ भारतीयों की पार्टी बन गई है।
- मैं उत्तर पूर्व से आया हूं, कभी कल्पना कर सकते हैं कि 4,250 किलोमीटर का नेशनल हाईवे केवल छह साल में बन जाएगा।
- पहले तवांग जाने का एक रास्ता था, लेकिन अब वहां टनल बनेगा, रेलवे भी जाएगी।
- पहले की कांग्रेसी सरकार में भारत के रक्षामंत्री बोलते थे कि भाई रास्ता नहीं बना सकते, चीन से माहौल ख़राब होगा। लेकिन प्रधानमंत्रीजी आज तवांग तक रेल भी ले जाने के लिए संकल्पित है और दूसरा रास्ता बनाने का काम भी आज शुरू हुआ है।
- उत्तर पूर्व का हर प्रदेश आज राजधानी एक्सप्रेस से जुड़ गया है। ■

❑❑❑

भाजपानीत सरकार में जन-आकांक्षा के अनुरूप कार्य हुआः योगी आदित्यनाथ

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए वक्तव्य के मुख्यांश—

2014 में जब एनडीए के नेता बनने के बाद आदरणीय प्रधानमंत्रीजी ने इस बात को कहा था कि हमारी सरकार किसी व्यक्ति, किसी जाति, किसी मत-मजहब या संप्रदाय को लेकर नहीं, बल्कि इस देश के गांव-गरीब, किसान, नौजवान, महिलाएं और समाज के प्रत्येक तबके के लिए बिना भेदभाव के कार्य करेगी। और विगत 8 वर्ष में इस देश के अंदर जो परिवर्तन हुआ है, जो जनविश्वास के रूप में भारतीय जनता पार्टी-नीत गठबंधन की यह सरकार आम जनमानस के आशा और आकांक्षा के अनुरूप कार्य करती हुई दिखाई दी है, आज मिलता हुआ जनसमर्थन उसी का परिणाम है।

पिछले पांच वर्षों के अंदर उत्तर प्रदेश ने आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के मार्गदर्शन में एक लंबी छलांग लगाने का प्रयास किया है। 2016-17 में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था देश की छठी अर्थव्यवस्था के रूप में गिनी जाती थी। आज वह दूसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में लगभग दुगुनी वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश ने इस दौरान अपनी आय को बढ़ोतरी की है। जीएसटी का लाभ भी हमें प्राप्त हुआ है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में जहां पर टैक्स रेवेन्यू स्टेट में केवल 80 हजार करोड़ रुपए ही प्राप्त हो पाते थे, आज वह 1 लाख 55 हजार करोड़ रुपए पार कर चुका है। लगातार इसमें वृद्धि हो रही है। हमारे यहां 'सेल टैक्स' और 'वैट' के माध्यम से उत्तर प्रदेश में 2016-17 में 49 हजार करोड़ रुपए बमुश्किल मिल पाता था। आज हमें लगभग 95 हजार करोड़ रुपए इससे प्राप्त हो रहे हैं।

2016-17 में उत्तर प्रदेश के अंदर एक्साइज के अंदर जो हमें टैक्स मिलता था, रेवेन्यू मिलता था, वह मात्र 12 हजार करोड़ रुपए था। आज वह हमें 2021-22 में वह बढ़कर के 36 हजार करोड़ रुपए से अधिक का हमें केवल इसके माध्यम से रेवेन्यू प्राप्त हुआ है। स्टैंप और रजिस्ट्रेशन में भी उत्तर प्रदेश ने

दोगुनी की छलांग लगाई है।

उत्तर प्रदेश का बजट पिछले पांच वर्ष पहले 3 लाख करोड़ रुपए का भी नहीं था, आज वह इस बार 6 लाख 15 हजार करोड़ रुपए को भी पार करता हुआ तेजी के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में जहां देश के अंदर उत्तर प्रदेश 14वें स्थान पर था वह आज दूसरे स्थान पर आकर निवेश के लिए बेहतरीन गंतव्य बन चुका है।

उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों की एक अभिनव योजना है। उसकी मैपिंग करवाई गई। उसकी ब्रांडिंग करवाई गई। उसकी मार्केटिंग की व्यवस्था की गई। उसकी पैकेजिंग की व्यवस्था की गई। आज उसका परिणाम है कि उत्तर प्रदेश के हर एक जनपद की एक यूनिक प्रोडॅक्ट और उसमें उत्तर प्रदेश को एक एक्सपोर्ट के हब के रूप में भी प्रस्तुत किया है।

एमएसएमई सेक्टर में जो कार्य पिछले पांच वर्षों में हुआ है, उसने हमारे यहां रोजगार भी बढ़ाया है और प्रदेश के अनएम्प्लायमेंट रेट को भी कम करने में सफलता प्राप्त की है। आज उत्तर प्रदेश के अंदर बेरोजगारी की दर जो 2016-17 में 18 फीसदी था, सेबी के जो ताजा आंकड़े हैं उनके अनुसार अब वह 2.9 फीसदी तक आकर रुका है।

आदरणीय प्रधानमंत्रीजी के नेतृत्व और उनके मार्गदर्शन में अभी हाल ही में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में दो तिहाई से अधिक सीटों पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश ने सफलता प्राप्त की। विधानसभा के तत्काल बाद प्रदेश के अंदर स्थानीय निकाय की 36 सीटों पर चुनाव हुए थे उन 36 सीटों में से 33 सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीती।

87 वर्षों के बाद उत्तर प्रदेश विधान परिषद् में पहली बार कांग्रेस का सदस्य नहीं है। विधान परिषद् में दो-तिहाई से अधिक सीटें भारतीय जनता पार्टी के पास हैं।

कोरोना कालखंड में 80 करोड़ लोगों को राशन फ्री में मिला। बिना भेदभाव के मिला। और राशन के साथ-साथ आज जिस प्रकार से पूरे देश के अंदर अगर उत्तर प्रदेश का राशन का कार्ड धारक है वह नेशनल पोर्टिबिलिटी के माध्यम से दूसरा राज्य भी जुड़ा हुआ है, तो उस राज्य में भी अब अपना राशन ले सकता है।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना की ही हम बात करें, ग्रामीण क्षेत्र में हरेक व्यक्ति

के लिए आज ड्रोन सर्वे के माध्यम से, ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के माध्यम से, उस व्यक्ति को जमीन का मालिकाना हक प्राप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में अब तक 34 लाख से अधिक परिवारों को अपने परंपरागत जमीन पर जहां उसका अपना मकान था, पहली बार घरोनी प्राप्त हुई है, जिसमें स्वामित्व का लाभ उसे प्राप्त हो रहा है।

उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में 45 लाख गरीबों को बिना भेदभाव के मकान मिल जाए, यह अपने आप में व्यापक परिवर्तन का आधार है। बिना किसी भेदभाव के 15 करोड़ लोगों को कोरोना कालखंड में राशन मिल जाए और डबल इंजन की सरकार है, महीने में दो बार राशन मिल जाए यह अपने आप में अभूतपूर्व है।

हम सबका यह सौभाग्य है कि हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के साक्षी बन रहे हैं। हम सबका यह सौभाग्य है कि हम अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण कार्य अपनी आंखों के सामने देख पा रहे हैं। यह हम सबका सौभाग्य है कि हम लोग काशी में बाबा विश्वनाथ के पवित्र धाम के भव्य और दिव्य स्वरूप को अपनी आंखों के सामने देख पा रहे हैं।

मैं एक बार फिर से आदरणीय प्रधानमंत्रीजी का आठ वर्ष के सफलतम कार्यकाल के केंद्र सरकार के इस कार्यक्रम के लिए और जी-7 के जिस समिट में आपने उत्तर प्रदेश के उत्पाद को वैश्विक नेताओं को प्रदान किया है, इसके लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन करता हूं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने मुझे यहां बोलने का अवसर दिया, इस अवसर पर आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्षजी का भी हृदय से आभार व्यक्त करते हुए विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' सार्थक रूप से देश के अंदर प्रत्येक जनमानस के बीच में आज देखने को मिल रहा है। हम सब इसके साक्षी भी बन रहे हैं और भारत का 135 करोड़ नागरिक इसका इसका साक्षी बन रहा है। हम सब इसके लिए अपने को सौभाग्यशाली मानते हैं। ■

❑❑❑

तेलंगाना राज्य के आर्थिक, सामाजिक और मानव विकास पर वक्तव्य

हैदराबाद, तेलंगाना में 02-03 जुलाई, 2022 को आयोजित भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में तेलंगाना की स्थिति अत्यधिक खराब होने पर चिंता प्रकट की गई। पार्टी द्वारा जारी एक प्रेस वक्तव्य में कहा गया कि राज्य में कानून व्यवस्था की दयनीय हालत है। स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। तेलंगाना पर भाजपा द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य:

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी तेलंगाना राज्य में आर्थिक, सामाजिक और मानव विकास से संबंधित सभी मैट्रिक्स और सूचकांकों में गंभीर गिरावट पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करती है। पिछले आठ वर्षों में राज्य ने जो यह घिनौना पतन देखा है, वह दर्दनाक है और इसमें वर्तमान सरकार की जिम्मेदारी पूरी तरह से है।

- तेलंगाना के लोगों की सामूहिक इच्छा, भाजपा के रचनात्मक संघर्ष समर्थन ने एक सम्मोहक स्थिति पैदा की, जिसके कारण 2014 में तेलंगाना राज्य का गठन हुआ।
- यह स्पष्ट है कि पृथक तेलंगाना आंदोलन ने तब तेजी पकड़ी जब भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर पूरी ईमानदारी के साथ उसमें उतरी। यह स्पष्ट है कि एक अलग तेलंगाना राज्य के आंदोलन में भाजपा सबसे आगे थी और उसके सक्रिय और स्पष्ट समर्थन के कारण ही पृथक तेलंगाना संभव हो पाया।
- हालांकि, अलग तेलंगाना की ऐतिहासिक उपलब्धि के आठ साल बाद राज्य के लोग बहुत ही ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं क्योंकि उनकी उम्मीदों और आशाओं पर लगातार पानी फेरा जा रहा है।
- विडंबना यह है कि जिन लोगों ने तेलंगाना के नाम से राजनीतिक लाभ उठाया, वे लोग ही जनता के साथ धोखाधड़ी करने में सबसे आगे रहे।
- मौजूदा सरकार के आठ साल बाद तेलंगाना की स्थिति और भी खराब हो गई है।
- भाजपा ने तेलंगाना आंदोलन को एक परिवार की सनक को सौंपने और

परिवार को अवैध संपत्ति जमा करने में सक्षम बनाने के लिए समर्थन नहीं किया था। भाजपा ने तेलंगाना का इस आशय से समर्थन किया कि तेलंगाना के लोगों, विशेषकर युवाओं, छात्रों, किसानों और अन्य हाशिए के वर्गों की आकांक्षाओं को साकार किया जाए।

- इसी तरह तेलंगाना के विश्वविद्यालय, जिनकी तेलंगाना के गठन में भूमिका अहम और महत्वपूर्ण थी, आज निराशाजनक स्थिति में हैं। शिक्षकों की भर्ती और स्कूल भवनों के पूरी तरह से जर्जर होने से स्कूली शिक्षा की स्थिति और भी खराब है।
- तेलंगाना के अस्पतालों की भी हालत दयनीय है। उम्मीद की जा रही थी कि कोविड के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रति सरकार के रवैये में व्यापक बदलाव आएगा।

एक नए तेलंगाना मुक्ति आंदोलन की आवश्यकता

- पिछले आठ वर्षों के दौरान तेलंगाना ने एक राजवंश को कायम रखने के लिए एक निर्लज्ज और घोर प्रयास देखा। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय है।
- भाजपा एक ऐसा तेलंगाना चाहती थी जहां सभी लोग, विशेषकर युवा, रोजगार के अवसर पाकर और जीवन और आजीविका के निर्वाह में खुश और आनंद से रहें। हालांकि, पिछले आठ वर्षों के दौरान तेलंगाना ने जीवन और आजीविका का पूर्ण विनाश और तबाही ही देखी है।
- किसानों को सरकार से पर्याप्त सहायता नहीं मिलती है। रयितु बंधु के नाम पर अन्य सभी सब्सिडी प्रावधान वापस ले लिए गए हैं। इतना ही नहीं वर्तमान निज़ाम का अत्यधिक असुरक्षित मुखौटा पहने एक मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं किया है।

मोदी सरकार का वादा— तेलंगाना के भाइयों और बहनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहना

- राज्य सरकार के कठोर रवैये के बावजूद केंद्र सरकार तेलंगाना के विकास के लिए अथक प्रयास कर रही है। 2014 और 2022 के बीच नरेन्द्र मोदी

सरकार द्वारा पेश किए गए पिछले 9 बजटों में लगभग रु. 1.30 लाख करोड़ तेलंगाना राज्य को हस्तांतरित किए गए हैं।

- 2014 में तेलंगाना राज्य के गठन के समय राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 2,511 किलोमीटर थी, यह बढ़कर 4,996 किलोमीटर हो गई। 2022 में 2,485 किलोमीटर की वृद्धि हुई जो 99 प्रतिशत की वृद्धि है। केंद्र 8,000 करोड़ रुपये की लागत से बाहरी रिंग रोड के बाहर 340 किलोमीटर लंबी क्षेत्रीय रिंग रोड का निर्माण करेगा।
- 2014-15 से ग्रामीण तेलंगाना में 2,700 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण किया गया।
- तेलंगाना राज्य के गठन के बाद रेलवे के लिए केंद्र के आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। रेलवे ने तेलंगाना में 31,281 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं को हाथ में लिया।

भाजपा — विकसित, समावेशी तेलंगाना के लिए सही और एकमात्र विकल्प

- तेलंगाना में भाजपा का तेजी से विकास हो रहा है। स्वाभाविक तौर पर भाजपा के विकास ने मुख्यमंत्री की आंखों में आंसू ला दिए हैं और उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ बिना किसी रोक-टोक की आलोचना शुरू कर दी है।
- इतना ही नहीं, पार्टी अध्यक्ष द्वारा शुरू की गई प्रजासंग्राम यात्रा की सफलता के दो चरण पूरे हो चुके हैं और इस यात्रा को लोगों का भारी समर्थन मिल रहा है। इसने मुख्यमंत्री को और परेशान कर दिया है जिससे वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।
- इन परिस्थितियों में केवल भाजपा, अपने देश-प्रथम दृढ़ विश्वास और ध्यान के साथ और भ्रष्टाचार मुक्त और घोटाला मुक्त शासन के त्रुटिहीन ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को समझ सकती है।
- भाजपा एक ऐसा व्यवहार्य विकल्प रखने का प्रयास करेगी जो लोगों के सामने शहीदों की आकांक्षाओं को सही मायने में साकार करे और अंततः उन्हें इस वंशवादी और भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने में मदद करे। ■

❑❑❑

भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी: एक संक्षिप्त विवरण

भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक 2 एवं 3 जुलाई, 2022 को हैदराबाद, तेलंगाना में आयोजित हुई। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के पूरे सत्र के दौरान सदस्यों को प्रधानमंत्रीजी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इससे पहले प्रधानमंत्रीजी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक स्थल पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। पूरा हैदराबाद शहर भगवामय हो गया।

01 जुलाई, 2022 को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। उसके बाद 02 जुलाई को दो सत्रों में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक हुई। 02 जुलाई को दोपहर बाद राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक 2 सत्रों में आयोजित हुई।

दिनांक 03 जुलाई को पुनः राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई तथा राष्ट्रगान के साथ 3 सत्रों में संपन्न हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में माननीय अध्यक्ष जी का उद्घाटन भाषण हुआ।

इसके बाद पिछले महीनों में देश के प्रमुख व्यक्तियों एवं पार्टी के वरिष्ठ जनों के निधन तथा प्राकृतिक आपदाओं में प्राण गंवाने वालों पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत कर दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में दो प्रस्ताव 'आर्थिक और गरीब कल्याण प्रस्ताव' तथा 'राजनीतिक प्रस्ताव' पारित किए गए। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 02 जुलाई, 2022 'आर्थिक और गरीब कल्याण संकल्प' प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसका समर्थन केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 03 जुलाई, 2022 को 'राजनीतिक प्रस्ताव' प्रस्तुत किया। इस प्रस्ताव का समर्थन कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री बसवराज सोमप्पा बोम्मई और असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 जुलाई, 2022 को भारतीय

जनता पार्टी की द्विदिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन सत्र को संबोधित किया और पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से आजादी के अमृतकाल में देश को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने के लिए संकल्प लेने का आह्वान किया।

साथ ही कार्यकारिणी में हाल के राज्यों में हुए चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। साथ ही साथ, इस बैठक में भविष्य के कार्यक्रमों और संगठन के विषय पर चर्चा हुई। राज्य सरकारों- असम, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं हिमाचल प्रदेश की परिवर्तनकारी पहलों पर भी चर्चा हुई।

तेलंगाना की 119 विधानसभाओं में 48 घंटे संवाद और समर्थन का अद्भुत कार्यक्रम

भाजपा कार्यकारिणी बैठक के आयोजन के ठीक पहले 2 दिन का वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का तेलंगाना की आम जनता से संवाद और संपर्क कार्यक्रम 119 में से 115 विधानसभाओं में आयोजित किए गए। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा इस पूरे प्रवास कार्यक्रम में 115 विधानसभाओं में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई व स्थानीय कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित किया गया। पार्टी की नीतियों और आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की 8 साल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय मोर्चा पदाधिकारियों के साथ बैठक व संगठन के विस्तार की चर्चा, सभी प्रकोष्ठ एवं बूथ प्रमुखों से बैठकें की गयीं जिससे एक-एक स्थानीय कार्यकर्ता में उत्साह एवं विश्वास का भाव उत्पन्न हुआ। इस प्रवास कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा स्थानीय क्षेत्र में सांस्कृतिक व सामाजिक प्रतिष्ठानों का भ्रमण किया गया और दिन में एक समय का भोजन किसी एससी, एसटी या वरिष्ठ कार्यकर्ता के घर किया गया। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं में सम्मान का भाव उत्पन्न हुआ। यह भाजपा संगठन की आम जन से जुड़ने की, आम कार्यकर्ता में विश्वास जगाने की परिपाटी को दर्शाता है।

भाषायी समुदाय सम्मेलन : 30 जून, 2022 – 2 जुलाई, 2022

सामाजिक संवाद के अंतर्गत हैदराबाद में भाषायी संवाद सम्मेलनों का आयोजन 30 जून, 2022 से 2 जुलाई, 2022 के मध्य किया गया। इन सम्मेलनों में तमिल, मलयालम, पंजाबी, असमिया, मराठी, राजस्थानी, उड़िया, कन्नड़, हरियाणवी तथा उत्तर प्रदेश, उत्तर-पूर्व के राज्यों, बिहार, मध्य प्रदेश एवं झारखंड की स्थानीय भाषाओं पर सम्मेलन आयोजित किए गए। विभिन्न भाषायी समूहों के लिए आयोजित इन सम्मेलनों में उपस्थिति की संख्या 100 से 1000 तक रही।

विजय संकल्प सभा में उमड़ा जनज्वार

हैदराबाद के परेड ग्राउंड में 3 जुलाई की शाम को विशाल जनसभा का आयोजन हुआ, जिसमें तेलंगाना के कोने-कोने से आई जनता ने 'मोदी-मोदी' के नारों से पूरे शहर को गुंजायमान कर दिया। शाम 7 बजे से प्रारंभ हुए इस जनसभा में चार लाख से भी अधिक लोग शामिल हुए।

सभा में उपस्थित जनज्वार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "तेलंगाना का सर्वांगीण विकास भारतीय जनता पार्टी की पहली प्राथमिकताओं में से एक है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर चलते हुए हम तेलंगाना के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।"

'विजय संकल्प सभा' में विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने तेलंगाना के लोगों से टीआरएस सरकार के वंशवादी और भ्रष्ट शासन को समाप्त करने और भाजपा की समाज के सभी वर्गों के लिए जारी कल्याणकारी और विकासात्मक नीतियों को लागू करने का अवसर देने का आग्रह किया।

इस विशाल जनसभा को केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष, श्री बंडी संजय कुमार, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री सर्वश्री पीयूष गोयल एवं जी. किशन रेड्डी सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने को संबोधित किया। ■

❑❑❑

वन्दे मातरम्

वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलय़जशीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 1।।

शुभ्रज्योत्स्ना पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुरभाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 2।।

कोटि-कोटि कण्ठ कल-कल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
के बॉले माँ तुमि अबले,
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीम्,
रिपुदलवारिणीं मातरम्। वन्दे मातरम्।। 3।।

तुमि विद्या तुमि धर्म,
तुमि ह्रदि तुमि मर्म,
त्वम् हि प्राणाः शरीरे,
बाहुते तुमि माँ शक्ति,
ह्रदय़े तुमि माँ भक्ति,
तोमारेई प्रतिमा गड़ि मन्दिरे-मन्दिरे। वन्दे मातरम्। । 4।।

त्वम् हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी, नमामि त्वाम्,
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्। वन्दे मातरम्।। 5।।

श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम्,
धरणीम् भरणीम् मातरम्। वन्दे मातरम्।। 6।।

03 जुलाई, 2022 को आयोजित 'विजय संकल्प सभा' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए तेलंगाना प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री बंडी संजय कुमार। साथ में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह।

हैदराबाद, तेलंगाना में 03 जुलाई, 2022 को आयोजित 'विजय संकल्प सभा' का एक विहंगम दृश्य।

“

25 साल का यह ‘अमृतकाल’ भारत के उज्ज्वल भविष्य के साथ ही भाजपा का भी उज्ज्वल भविष्य लेकर आएगा। हम सब एक ‘नए भारत’ के निर्माण का सपना नजर के सामने रखकर चल पड़े हैं।

– श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

”

भारतीय जनता पार्टी
6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली – 110002
/BJP4India /+BJP www.bjp.org